सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 02, अंक 231, नई दिल्ली । बुधवार, 30 अक्टूबर 2024, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

जीवन में जिसने अपनी जीभ को संभालना सीख लिया, वो जीवन को भी संभाल लेगा, क्योंकि जीभ का स्वाद स्वास्थ्य खराब करता है और वाणी संबंध खराब कराती है।

03 शर्मिला टैगोर ने भोपाल पटौदी कप टूर्नामेंट में भाग लिया

06 साक्षरता पर सोशल मीडिया का प्रभाव

08 पूरा विश्व दीपावली की रोशनी व दियों क़ी जगमगाहट से सराबोर होगा

दिल्ली परिवहन विभाग स्क्रैप शाखा द्वारा उठाए गए वाहनों को छोड़ने के लिए जारी किया ऑनलाइन एप्लीकेशन फार्म

संजय बाटला

नई दिल्ली। दिल्ली परिवहन विभाग जनता के घरों में खड़े वाहनों को बल पूर्वक उठाकर अपने प्रिय बाहरी राज्यों में पंजीकृत वाहन स्क्रैप डीलरो को सुपूर्द करने के बाद उच्च न्यायालय द्वारा जारी दिशा निर्देश के तहत वाहन छुड़वाने वालो के लिए जारी किया था ऑनलाइन एप्लीकेशन फॉर्म। जिस भी वाहन मालिकों द्वारा इस पर आवेदन प्राप्त हुआ है उनके दस्तावेजों की जांच कर आज से परिवहन विभाग की स्क्रैप शाखा द्वारा ऑनलाइन जुर्माना जमा करवाने के नया लिंक जारी कर दिया और अब वाहन मालिक जिनके वाहन उनके नाम है ऑनलाइन जुर्माना भरने के बाद वाहन छूटने के आदेश प्राप्त कर सकते है पर वाहन छुड़वाने के लिए परिवहन विभाग के प्रिय बाहरी राज्यों में पंजीकृत वाहन स्क्रैप डीलर को पार्किंग का पैसा देकर ही वाहन प्राप्त कर पाएगा।

अब आप ही सोचिए वाहन के छूटने के आदेश जितने दिन देर से प्राप्त होगे उतने ही दिन के प्रतिदिन के हिसाब से पार्किंग फ़ीस स्क्रैप डीलर को देनी

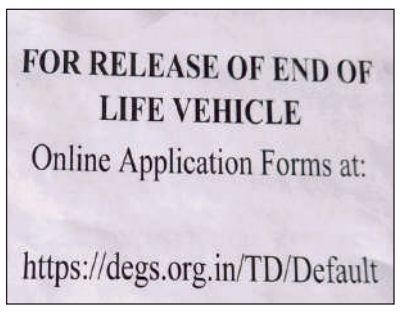

पड़ेगी चाहे एप्लीकेशन वाहन उठने के दिन ही क्यों नहीं वाहन मालिकों द्वारा जमा हो, कितना न्यायिक है ना देरी खुद करो और परेशान नागरिक को जुर्माने के साथ अपनी देरी के पैसे भी वसूलों।

इसके अलावा अगर वाहन उस व्यक्ति के नाम नहीं जिससे या जिसके घर से जबरन उठाया गया तो उसको ना तो वाहन मिलेगा और ना ही उसकी स्क्रैप कीमत है ना न्यायिक फ़ैसला ?

पर किसके हित में और किस लिए:- सोचने और समझने की आवश्यकता है।

टेंपल्स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट (पंजीकृत)

TOLWA

website : www.tolwa.in
Email : tolwadelhi@gmail.com
bathlasanjaybathla@gmail.com

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल - 0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण

रजिस्टर्ड कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063
कॉरपोरेट कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

दिल्ली परिवहन आयुक्त का बढ़ा कद

जारी आदेश के अनुसार दिल्ली परिवहन विभाग के प्रिंसिपल सेक्रेटरी अब एडिशनल चीफ सेक्रेटरी परिवहन विभाग बन गए है।

GOVERNMENT OF NATIONAL CAPITAL TERRITORY OF DELHI
SERVICES DEPARTMENT: SERVICES-I BRANCH
DELHI SECRETARIAT: 5TH LEVEL: B-WING
I.P. ESTATE: NEW DELHI
http://services.delhigovt.nic.in
Tel:011 - 23392038

No.F.8/06/2015/S.I/ Dated: 28.10.2024

ORDER No. 349

In pursuance of Ministry of Home Affairs, Govt. of India letter No.14016/04/2015-UTS.I dated 25.10.2024, Hon'ble Lt. Governor, Delhi is pleased to designate the following Apex Scale IAS Officers as Additional Chief Secretary, Govt. of NCT of Delhi:-

1. Shri Ashwani Kumar, IAS (AGMUT: 1992)
2. Shri Prashant Goyal, IAS (AGMUT: 1993)
3. Shri Navin Kumar Choudhary, IAS (AGMUT: 1994)

(BHAIRAB DUTT)
DEPUTY SECRETARY (SERVICES)

No.F.8/06/2015/S.I/ Dated: 28.10.2024

Copy to the:

1. Principal Secretary to Hon'ble Lt. Governor, Delhi.
2. Secretary to Hon'ble Chief Minister, Delhi.
3. Secretary to Hon'ble Speaker, Delhi Vidhan Sabha, Delhi.
4. Secretaries to all Hon'ble Ministers, Govt. of NCT of Delhi.
5. OSD to Hon'ble Leader of Opposition, Delhi Vidhan Sabha, Delhi.
6. Staff Officer to Chief Secretary, Govt. of NCT of Delhi.
7. All Additional Chief Secretaries/Principal Secretaries/ Secretaries/ Head of Departments/ Local Bodies/ Public Undertakings, GNCT of Delhi.
8. Shri Ashwani Kumar, IAS, Commissioner (MCD), Delhi.
9. Shri Prashant Goyal, IAS, Principal Secretary (Transport)-cum- Commissioner (Transport), Govt. of NCT of Delhi.
10. Shri Navin Kumar Choudhary, IAS, Principal Secretary (I&FC), Govt. of NCT of Delhi.
11. Deputy Secretary (Admn.), GAD, Govt. of NCT of Delhi.
12. Section Officer (Coordination), Services Department, GNCTD - with the request to upload this order on website of Services Department.
13. Section Officer (S-I/APAR), Confidential Cell, Services Department, GNCTD.
14. PAO concerned.
15. Guard file/Personal file.

Copy forwarded to the:

1. Under Secretary (UTS-I), Govt. of India, Ministry of Home Affairs, North Block, New Delhi.
2. Research Officer, Career Management Division, Govt. of India, Department of Personnel and Training [Room No. 215], North Block, New Delhi.

1

(BHAIRAB DUTT)
DEPUTY SECRETARY (SERVICES)

दिल्ली परिवहन विभाग ने मैसेज कर सभी व्यवसायिक वाहन मालिकों को वाहनों में वीएलटीडी संयत्र लगवाने का दिया निर्देश

संजय बाटला

नई दिल्ली। सभी सार्वजनिक सेवा वाहन मालिकों को निर्देश दिया जाता है कि वे सीएमवीआर के 125H के प्रावधान के अनुसार एआईएस -140 वीएलटीडी आधारित वाहन ट्रैकिंग सिस्टम बनाए रखें, ऐसा न करने पर आवश्यक दंडात्मक कार्रवाई की जा सकती है। परिवहन विभाग, जीएनसीटी दिल्ली।

सब से आश्चर्यजनक बात यह है की व्यवसायिक वाहनों में पहले से जीपीएस / जीपीआरएस संयंत्र लगे हुए हैं और आज की तारीख़ में परिवहन विभाग द्वारा जो वाहन ट्रैकिंग सिस्टम कार्य में है उसके लिए वीएलटीडी लगना या जीपीएस/जीपीआरएस का होना बराबर है क्योंकि अभी तक पैनिक बटन के प्रयोग करने पर किसी भी सेंटर में ट्रैकिंग शूरु ही नहीं हुई है। ऐसे में वाहन मालिकों को दंडात्मक कार्यवाही के लिए बोलना साफ जाहिर करता है की परिवहन विभाग सिर्फ़ वीएलटीडी कंपनियों को फायदा पहुंचाने के उद्देश्य से यह आदेश जारी कर रहा है। **यहां यह जानने योग्य बात है कंपनियों को फायदा पहुंचाने के उद्देश्य से बिना वीएलटीडी के मुख्य कार्य पैनिक बटन के प्रयोग पर प्रवर्तन अधिकारी को सूचना और उनके द्वारा तत्काल प्रभाव पर कार्यवाही करने का सेंटर शुरू हुए क्यों वाहन मालिकों पर दबाव बनाया जा रहा है और इसके लिए कौन है जिम्मेदार ?**

महिला सुरक्षा के प्रति दिल्ली ही नहीं भारत देश में चल रहे सभी व्यवसायिक वाहनों में सीएमवीआर के 125H के प्रावधान के अनुसार एआईएस -140 वीएलटीडी आधारित वाहन ट्रैकिंग सिस्टम होना अच्छी बात है पर तब जब उसके प्रयोग से महिलाओं को सुरक्षा मुहैया करवाई जा सके ना की सिर्फ़ वीएलटीडी कंपनियों को फायदा पहुंचाने के उद्देश्य से।

दीवाली से पहले थमी दिल्ली, कई जगहों पर भीषण ट्रैफिक जाम

परिवहन विशेष न्यूज

धनतेरस की खरीदारी के कारण दिल्ली में मंगलवार को भारी जाम लग गया। वाहन चालकों और पैदल यात्रियों की भीड़ के कारण शहर के लगभग सभी इलाकों में यातायात व्यवस्था प्रभावित हुई। कनॉट प्लेस गुरुग्राम और दिल्ली के सीमावर्ती क्षेत्रों में भी लोग जाम से जूझते रहे। सदर बाजार में सबसे अधिक भीड़ देखी गई जिससे आस-पास की सड़कों पर दिनभर जाम लगा रहा।

नई दिल्ली। मंगलवार को धनतेरस के कारण बड़ी संख्या में लोग खरीदारी करने घरों से बाहर निकले, जिससे वाहन चालकों व पैदल यात्रियों की भीड़ के कारण दोपहर बाद दिल्ली के अमूमन सभी इलाकों में यातायात व्यवस्था प्रभावित हुआ। लोगों को देर रात तक भीषण जाम से जूझना पड़ रहा है। वाहनों की रफ्तार धीमी हो गई है।

कनॉट प्लेस में शाम के बाद से भीषण जाम लगा हुआ है। गुरुग्राम और दिल्ली के सीमावर्ती क्षेत्रों में भी लोग जाम से जूझ रहे हैं। दिल्ली नोएडा दिल्ली फ्लाईवे (DND Flyway) पर भी जाम लगा हुआ, वाहनों रेंग-रेंग कर चल रे हैं।

सदर बाजार में खरीदारी करने वालों की सबसे अधिक भीड़ देखी गई, जिस कारण आस पास की सड़कों पर दिनभर यातायात जाम के कारण लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। अक्षरधाम फ्लाईओवर व विकास मार्ग पर लोग घंटों जाम में फंसे रहे।

इन जगहों पर भी लगा जाम

दक्षिण दिल्ली में भी जाम लगा रहा। चिराग दिल्ली और बीआरटी कॉरिडोर पर कई किलो मीटर तक जाम लगा रहा। जाम में फंसे लोग यातायात की स्थिति के बारे इंटरनेट मीडिया के जरिये ट्रैफिक पुलिस से शिकायत करते रहे।

इन जगहों पर प्रभावित रही व्यवस्था

यातायात व्यवस्था ने पूरे शहर में कई स्थानों को प्रभावित किया, जिससे यात्रियों को गंतव्य स्थान तक पहुंचने में काफी देरी हुई। शाहदरा, लाजपत नगर, चांदनी चौक, कुचा महाजनी, कालिंदी कुंज व जसोला में लोग घंटों जाम में फंसे रहे।

इसके अलावा जीटीबी नगर, महरौली-बदरपुर में कारों की लंबी लाइनें देखी गई, रोहतक रोड, मोरी गेट, ग्रीन पार्क, दिल्ली गेट, आईटीओ, कोहात एन्क्लेव, आनंद विहार, करोल बाग, आजादपुर, कल्याणपुरी पुल और द्वारका फ्लाईओवर पर लोगों को जाम के कारण भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

दिल्लीवाले ध्यान दें! रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम के चलते कई मार्गों पर लगेगा जाम, ट्रैफिक एडवायजरी जारी

अगर आप सेंट्रल दिल्ली की ओर जाने का सोच रहे हैं तो घर से निकलने से पहले अपना रूट देख लें। क्योंकि आज मंगलवार को सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर रन फॉर यूनिटी मैराथन का आयोजन किया जा रहा है। मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम से शुरू होने वाली मैराथन में 7700 लोग भाग लेंगे। इसे लेकर ट्रैफिक पुलिस ने मध्य दिल्ली के लिए एडवाइजरी जारी की है।

नई दिल्ली। सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर राष्ट्रीय एकता दिवस के उत्सव के रूप में मंगलवार को मैराथन को हरी झंडी दिखाई जाएगी। मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम से शुरू होने वाली 'रन फॉर यूनिटी' में लगभग 7,700 लोग भाग लेंगे। इस दौरान मध्य दिल्ली में यातायात प्रभावित रहेगा, जिसे लेकर यातायात पुलिस द्वारा एडवाइजरी जारी की गई है।

राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाई जा रही जयंती

यातायात पुलिस आयुक्त के अनुसार, एडवाइजरी में कहा गया है कि मोटर चालकों को सूचित किया जाता है कि सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर राष्ट्रीय एकता दिवस के उत्सव के रूप में, मंगलवार को सुबह 7:40 बजे मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम के गेट नंबर 1 से 'रन फार यूनिटी' को हरी झंडी दिखाई जाएगी। लोगों को असुविधा से बचाने के लिए ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की गई है। साथ ही लोगों को इंडिया गेट सहित कई मार्गों से बचने की सलाह दी गई है।

इन मार्गों का ट्रैफिक डायवर्ट

एडवाइजरी में कहा गया है कि यह मार्ग गेट नंबर 1, मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम, सी-हेक्सागन, शाहजहां रोड के सामने और नेताजी सुभाष चंद्र बोस प्रतिमा से शुरू होगा।

तिलक मार्ग-भगवान दास रोड क्रॉसिंग, पुराना किला रोड-मथुरा रोड क्रॉसिंग, शेरशाह रोड-मथुरा रोड क्रॉसिंग, डॉ. जाकिर हुसैन मार्ग-सुब्रमण्यम भारती मार्ग क्रासिंग, क्यू-पाइंट, मानसिंह रोड, जसवंत सिंह रोड, केजी मार्ग-फिरोजशाह रोड क्रॉसिंग और मंडी हाउस से यातायात को डायवर्ट किया जाएगा।

यहां मिल सकता है जाम

रनर नेशनल स्टेडियम के गेट नंबर-1 से बाहर निकलेंगे और सी-हेक्सागन से होते हुए शाहजहां रोड के सामने से राइट टर्न लेकर इंडिया गेट के इनर सर्कल में एंट्री करेंगे। सभी रनर नेताजी की प्रतिमा के सामने इकट्ठा होंगे और वहीं पर कार्यक्रम का समापन होगा।

दीयों से मने दीवाली, मिट्टी के दीये जलाएँ।

प्रियंका सौरभ
रिसर्च स्कॉलर इन पोलिटिकल साइंस,
कवयित्री, स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तंभकार,
उब्बा भवन, आर्यनगर, हिसार
(हरियाणा)

आधुनिकता के दौर में दीपोत्सव पर मिट्टी की दीये जलाने की परंपरा विलुप्त हो रही है। इससे सामाजिक रूप से व पर्यावरण पर ग़लत प्रभाव पड़ने की आशंका को नकारा नहीं जा सकता है। पर्यावरण को बचाने के लिए ज़रूरी है आमजन दीपावली पर मिट्टी के दीये जलाने व पटाखे नहीं चलाने का संकल्प लें। इस दीपावली मिट्टी के दीये जलाएँ, तभी पर्यावरण बचाने में हम सफल हो पायेंगे।आधुनिकता के दौर में दीपोत्सव पर मिट्टी की दीये जलाने की परंपरा विलुप्त हो रही है। इससे सामाजिक रूप से व पर्यावरण पर ग़लत प्रभाव पड़ने की आशंका को नकारा नहीं जा सकता है। पर्यावरण को बचाने के लिए ज़रूरी है आमजन दीपावली पर मिट्टी के दीये जलाने व पटाखे नहीं चलाने का संकल्प लें। इस दीपावली मिट्टी के दीये जलाएँ, तभी पर्यावरण बचाने में हम सफल हो पायेंगे।

-प्रियंका सौरभ

आज की भागती दौड़ती ज़िन्दिगी में लोग अपनी परंपरा को भूलते जा रहे हैं। इसका परिणाम है कि आज देश में पर्यावरण संकट के साथ-साथ कई तरह की समस्या उत्पन्न हो रही है। जिसके चलते सभी लोग और जीव-जंतु के जीवन पर संकट है। इस परंपरा में एक दीपावली पर्व पर मिट्टी के दीये जलाना भी है। जिसको आज लोग भूलते जा रहे हैं और उसकी जगह पर इलेक्ट्रानिक लाइटों का उपयोग कर रहे हैं। लेकिन जो सुंदरता मिट्टी के दीये जलने पर दिखती है वह इलेक्ट्रानिक लाइटों के जलने से नहीं। इस बात को स्वयं लोग भी स्वीकार कर रहे हैं और इस परंपरा को लोगों के भूलने पर चिंता भी व्यक्त कर रहे हैं। मिट्टी के दीये जलाना परंपरा के साथ हमारी संस्कृति है। अपनी संस्कृति को कोई कैसे भूल सकता है। इसका सभी लोगों को ध्यान रखना चाहिए। मिट्टी के दीये जलाने के कई लाभ है। जिसका उल्लेख कई जगहों पर देखने और सुनने को मिलता है। इसलिए सभी लोग मिट्टी के दीयें जलाएँ।

दीपावली का त्यौहार मिट्टी के दीये से जुड़ा हुआ है। यह हमारी संस्कृति में रचा-बसा हुआ है। दीया जलाने की परंपरा आदि काल से रही है। भगवान राम की अयोध्या वापसी की ख़ुशी में अयोध्यावासियों ने घर-घर दीप जलाया था, तब से ही कार्तिक महीने में दीपों का यह त्यौहार मनाये जाने की परंपरा रही है। पिछले दो दशक के दौरान कृत्रिम लाइटों का क्रेज बढ़ा है। आधुनिकता की आंधी में हम अपनी पौराणिक परंपरा को छोड़कर दीपावली पर बिजली की लाइटिंग के साथ तेज ध्वनि वाले पटाखे चलाने लगे हैं। इससे एक तरफ़ मिट्टी के कारोबार से जुड़े कुम्हारों के घरों में अँधेरा रहने लगा, तो ध्वनि और वायु प्रदूषण फैलानेवाले पटाखों को अपना कर अपनी सांसों को ही खतरे में डाल दिया। अपनी परंपराओं से दूर होने की वज़ह से ही कुम्हार समाज अपने पुश्तैनी धंधे से दूर होता जा रहा है। दूसरे रोजगार पर निर्भर होने लगे हैं।एक समय था जब दीपावली पर्व को लेकर लोग मिट्टी के दीये खरीदने के लिए पहले ही कुम्हार को आर्डर कर देते थे। तब गाँव या अन्य किसी गाँव के कुम्हार के घर के सभी सदस्य काम में व्यस्त होते थे।

दीपावली पर्व पर कई लोगों के आर्डर को पूरा करने में दिन रात एक कर मेहनत करते थे। हालांकि उस समय उतनी आमदनी नहीं होती थी, लेकिन कुम्हारों को भी एक रुचि रहती थी कि इस परंपरा को जीवंत रखना है। लेकिन आज लोग मिट्टी के दीये जलाना धीरे-धीरे कम कर दिए हैं, इससे अब कुम्हार भी इसमें रुचि नहीं ले रहे। जिसका नतीजा है कि आज दीपावली पर्व में लोग घर में दो-चार मिट्टी के दीये जला कर सिर्फ़ एक परंपरा को किसी तरह निर्वहन कर रहे हैं। ज्यादातर लोग इलेक्ट्रानिक लाइटों, झालर और अन्य लाइटों को जला कर ही दीपावली पर्व में अपने घर को रोशनी से जगमग करने की कोशिश कर रहे हैं। हम सभी अब दीपावली के नाम पर पर्यावरण को दूषित कर रहे हैं। अब हमें पुनः अपनी परंपरा को समझना होगा। हमें मिट्टी के दिये जलाने की परंपरा की पुनः शुरुआत करनी होगी। इससे कीड़े मकोड़े मरते हैं। झालर और लाइट से कीड़े नहीं मरते। हमारी संस्कृति सरसों के तेल के दिये जलाना है, अच्छे पकवान बनाना, मिठाइयाँ खाना और पड़ोसी को भी खिलाना, लोगों को उपहार देना आदि है। लेकिन लोग अब उतने समझदार नहीं हैं इसलिए पटाखे छूटेंगे।

लोग मिट्टी के दीये जलाएँ। इससे प्रदूषण भी नहीं होगा और परंपरा भी जीवंत रहेगी। दीपावली पर्व पर मिट्टी के दीये जलाना पूर्वजों के द्वारा बनाई गई परंपरा है। इसे हम सभी लोगों को बरकरार रखना चाहिए। दिवाली में मिट्टी के दीये जलाना हमारी संस्कृति और प्रकृति से जुड़ने का बहुत ही सुगम साधन है। यह भारतीय संस्कृति में बहुत ही शुभ और पवित्र माना जाता है। मिट्टी के दीये प्रेम, समरसता और ज्ञान के प्रतीक हैं। सामाजिक व आर्थिक आधार पर भी दीयों की खूबसूरती जगजाहिर है। इस बार दीपावली के दिन मिट्टी के दीये जलाने का संकल्प लेकर संस्कृति का बचाव करना है। सभी लोग मिट्टी के दिये ही जलाएँ। आज की युवा पीढ़ी इलेक्ट्रानिक लाइटों के प्रति अधिक रुचि रख रही है। घरों को सजाने से लेकर दीये जलाने में इलेक्ट्रानिक लाइटों का ही उपयोग कर रही है। जबकि यह सोचना चाहिए कि हमारी संस्कृति और परंपरा का निर्वहन करना युवाओं के कंधे पर ही है। गाँव या किसी शहर में जो कुम्हार है वह आज भी मिट्टी के दीये बनाते हैं। इसमें उन्हें सिर्फ़ आमदनी का लालच नहीं होता बल्कि उनमें अपनी संस्कृति और परंपरा को बरकरार रखने का उत्साह होता है। लेकिन लोग इसे भूलते जा रहे हैं।

परंपरा व पर्यावरण के संरक्षण के लिए मिट्टी के दीये जलाना है। इनसे कोई प्रदूषण नहीं होता। कृत्रिम रोशनी आंखों और त्वचा के लिए हानिकारक होती है। मिट्टी के दीये की रोशनी आंखों को आराम पहुँचाती है। मिट्टी के दीये हमारी संस्कृति के एक अहम अंग हैं। दिवाली पर इसे जलाकर हम अपनी परंपराओं को याद रखते हैं। मिट्टी के दीये बनाने वाले कारीगरों को प्रोत्साहित करने का भी यह अच्छा मौका है। आइये, इस दीपावली, हम सभी मिलकर मिट्टी के दीये जलाएँ और एक स्वच्छ और हरा-भरा पर्यावरण बनाने में अपना योगदान दें। लोगों को इस पर विचार करना चाहिए। वर्तमान में अपनी परंपरा को बरकरार रखने और पर्यावरण बचाने के लिए इस दीपावली मिट्टी की दीये जलाने के प्रति लोगों ख़ास कर बच्चों व युवाओं को जागरूक करने के लिए अभियान भी चलाएँ।

सबके पास उजाले हो

मानवता का संदेश फैलाते,
मस्जिद और शिवाले हो।
नीर प्रेम का भरा हो सब में,
ऐसे सब के प्याले हो।।

होली जैसे रंग हो बिखरे,
दीपों की बारात सजी हो,
अंधियारे का नाम न हो,
सबके पास उजाले हो।।

हो श्रद्धा और विश्वास सभी में,
नैतिक मूल्य पाले हो।
संस्कृति का करे सब पूजन,
संस्कारों के रखवाले हो।।

चौराहें न लुटे अस्मत,
दुःशासन न फिर बढ़ पाए,
भूख, गरीबी, आतंक मिटे,
न देश में धंधे काले हो।।

सच्चाई को मिले आजादी,
लगे झूठ पर ताले हो।
तन को कपड़ा, सिर को साया,
सबके पास निवाले हो।।

दर्द किसी को छू न पाए,
न किसी आंख से आंसू आए,
झोंपड़ियों के आंगन में भी,
खुशियों की फैली डाले हो।।

'जिए और जीने दे' सब
न चलते बरछी भाले हो।
हर दिल में हो भाईचारा
नाग न पलते काले हो।।

नगमों-सा हो जाए जीवन,
फूलों से भर जाए आंगन,
सुख ही सुख मिले सभी को,
एक दूजे को संभाले हो।।

पटाखों से दूर ही रहें अस्थमा के मरीज, घुटने लगेगा दम, आ सकता है अस्थमा अटैक

दीवाली पर पटाखों की वजह से वायु प्रदूषण और ज्यादा बढ़ जाता है। इसके कारण अस्थमा के मरीजों को खासकर परेशानी हो सकती है। धुएं और केमिकल की वजह से अस्थमा अटैक का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए हम यहां डॉक्टर के बताए कुछ टिप्स (Asthma Patients Diwali Tips) बचा रहे हैं जिन्हें अस्थमा या अन्य किसी रेस्पिरेटरी डिजीज के मरीजों को दीवाली पर जरूर फॉलो करना चाहिए।

वायु प्रदूषण अस्थमा और अन्य रेस्पिरेटरी डिजीज के मरीजों के लिए एक बड़ी समस्या है। प्रदूषण के कारण हवा में मौजूद हानिकारक कण और गैसें श्वांस नली को नुकसान पहुंचाती हैं और सांस लेने में कठिनाई पैदा करती हैं। ऐसे में इन मरीजों के लिए प्रदूषण से बचाव बेहद जरूरी है।
खासकर दीवाली के समय, जब पटाखों की वजह से हवा में प्रदूषण का स्तर और ज्यादा बढ़ जाता है। इसलिए इस त्योहार के समय अस्थमा या दूसरी किसी रेस्पिरेटरी डिजीज के मरीजों को ज्यादा सावधान रहने (Asthma Patients Diwali Tips) की जरूरत होती है। यहां हम इसी बारे में जानने की कोशिश करेंगे कि कैसे प्रदूषण की वजह से इन लोगों को ज्यादा परेशानी हो सकती है और कैसे इससे बचाव (Asthma Care Diwali 2024) कर सकते हैं।

वायु प्रदूषण के प्रभाव

अस्थमा के दौरे- प्रदूषण अस्थमा के दौरे को ट्रिगर कर सकता है।
सांस लेने में कठिनाई- प्रदूषण से सांस लेने में कठिनाई होती है, खासकर फिजिकल एक्टिविटी के दौरान।
फेफड़ों का फंक्शन बिगड़ना- लंबे समय तक प्रदूषण के संपर्क में रहने से फेफड़े खराब हो सकते हैं।
इन्फेक्शन का खतरा बढ़ना- प्रदूषण से इम्यून सिस्टम कमजोर होता है जिससे इन्फेक्शन का खतरा बढ़ जाता है।

कैसे करें वायु प्रदूषण से बचाव?

प्रदूषण के इन प्रभावों से बचने के लिए हमने डॉ. प्रतिभा डोगरा (सीनियर कंसलटेंट –पल्मोनोलॉजिस्ट और स्लीप मेडिसिन, मैरिंगो एशिया हॉस्पिटल गुरुग्राम) से बात की। आइए जानें इस बारे में इन्होंने क्या कहा।
पटाखों से दूर रहें- पटाखों से निकलने वाला धुआं और केमिकल अस्थमा और अन्य रेस्पिरेटरी डिजीज को और गंभीर बना सकता है। इसलिए ऐसी जगहों से दूर रहें, जहां पटाखे फूट रहे हों या ज्यादा धुआं हो। कोशिश करें कि आप अपने परिवारजनों के साथ ही, घर के अंदर दीवाली मनाएं। जब प्रदूषण ज्यादा बढ़ा हुआ हो, तब भी घर के अंदर ही रहें, बाहर न निकलें।
मास्क पहनें- बाहर निकलने से पहले N95 मास्क पहनें। इससे बाहर की धूल-मिट्टी और धुआं फिल्टर होगा और आपको प्रदूषण से कम नुकसान पहुंचेगा।
इंहेलर साथ रखें- अपने साथ हमेशा एमर्जेंसी के लिए दवा और इनहेलर रखें। अगर सांस लेने में अचानक कोई परेशानी शुरू हो जाए, तो उस स्थिति में इनहेलर साथ रखना मददगार हो सकता है।
हाइड्रेटेड रहें- खूब सारा पानी पिएं। पानी श्वांस नली को गीला रखता है, जिससे म्यूकस की परत ज्यादा मोटी नहीं होती। इससे धूल-धुएं से कम परेशानी होगी।
फिजिकल एक्टिविटी कम करें- ऐसी गतिविधियां, जिनमें ज्यादा शारीरिक मेहनत करने की जरूरत होती है या बाहर निकलना पड़े, उन्हें कम से कम करें। प्रदूषण की वजह से फेफड़ों पर काफी जोर पड़ता है। इससे आपकी सेहत को काफी नुकसान हो सकता है। इसलिए ऐसा करने से बचें। घर के अंदर ही हल्की-फुल्की एक्सरसाइज करें।
घर की हवा को शुद्ध करें- घर के अंदर एयर प्यूरिफायर का इस्तेमाल करें, खिड़की-दरवाजों को शाम और सुबह के समय बंद करके रखें। घर के अंदर इंडोर प्लांट्स लगाएं। इससे आपके घर के भीतर कम प्रदूषण होगा।

सेहत के लिए कितना खतरनाक है पटाखों का धुआं, किन लोगों को बरतनी चाहिए सावधानी?

दीपावली खुशियों का त्योहार है लेकिन पटाखों के धुएं से होने वाला प्रदूषण इस खुशी में एक बड़ा खलल डालता है। यह प्रदूषण न सिर्फ पर्यावरण को बल्कि हमारी सेहत को भी कई तरह से नुकसान पहुंचाता है। जानिए किन बीमारियों से जूझ रहे लोगों को ऐसे में विशेष सावधानी बरतनी चाहिए और पटाखों से त्वचा के जलने पर फौरन क्या उपाय आजमा सकते हैं।

दीवाली का त्योहार आते ही दिल्ली और आसपास के शहरों में धुएं की एक मोटी चादर छा जाती है। हर साल इस दौरान प्रदूषण का स्तर इतना बढ़ जाता है कि यह हमारी सेहत के लिए एक गंभीर खतरा पैदा हो जाता है। पटाखों से निकलने वाला धुआं न सिर्फ पर्यावरण को दूषित करता है बल्कि हमारे स्वास्थ्य को भी कई तरह से नुकसान पहुंचाता है।

अलग-अलग अध्ययनों से यह बात सामने आई है कि पटाखों के धुएं में कई ऐसे हानिकारक रसायन होते हैं जो सीधे हमारे फेफड़ों को प्रभावित करते हैं। दीवाली के बाद खांसी, अस्थमा और सांस से जुड़ी समस्याओं के मामले में काफी इजाफा देखा जाता है। इन समस्याओं से न सिर्फ बड़े बल्कि बच्चे भी बुरी तरह प्रभावित होते हैं।

बढ़ते स्वास्थ्य जोखिमों को देखते हुए हर साल पटाखे न चलाने की अपील की जाती है, लेकिन फिर भी बाजारों में पटाखों की बिक्री होती रहती है। कई बार पटाखों के कारण दुर्घटनाएं भी होती हैं जिनमें लोगों की जान तक चली जाती है। ऐसे में, इस आर्टिकल में हम विस्तार से जानेंगे कि पटाखों के धुएं से हमारी सेहत को क्या-क्या नुकसान हो सकते हैं, किन बीमारियों से पीड़ित लोगों को विशेष सावधानी (Firecracker Smoke Prevention Tips) बरतनी चाहिए और अगर पटाखों से त्वचा जल जाए तो क्या उपाय (Diwali Firecracker Precautions Tips) किए जा सकते हैं।

पटाखों का सेहत पर क्या पड़ता है असर?

कैंसर का खतरा

पटाखों का धुआं सिर्फ फेफड़ों तक ही सीमित नहीं रहता; इसके गंभीर परिणाम पूरे शरीर पर होते हैं। इनमें से सबसे खतरनाक खतरा है कैंसर का। जी हां, पटाखों की रंगीन चमक के लिए जिन रसायनों और रेडियोधर्मी तत्वों का इस्तेमाल किया जाता है, वे कैंसर के खतरे को कई गुना बढ़ा देते हैं। ये हानिकारक पदार्थ शरीर में प्रवेश कर विभिन्न अंगों को नुकसान पहुंचा सकते हैं और कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों को जन्म दे सकते हैं।

अस्थमा की परेशानी

दीवाली की रौनक के बाद हवा में फैले जहर से हमारी सेहत खतरे में पड़ जाती है। धूल के कणों में मौजूद जहरीले तत्व हमारे फेफड़ों को नुकसान पहुंचाते हैं और अस्थमा के मरीजों के लिए सांस लेना मुश्किल बना देते हैं। कैडमियम नामक तत्व खून में ऑक्सीजन की कमी पैदा कर हमें कमजोर बना देता है।

हार्ट अटैक का जोखिम

दिल के मरीजों के लिए पटाखों का धुआं बेहद खतरनाक हो सकता है। पटाखों से निकलने वाला धुआं सीधे फेफड़ों में जाकर उन्हें नुकसान पहुंचाता है और सांस लेने में दिक्कत पैदा कर सकता है। इसके अलावा, पटाखों की तेज आवाज दिल पर दबाव डालती है और दिल की धड़कन को अनियमित बना सकती है, जिससे हार्ट अटैक का खतरा बढ़ जाता है। छोटे बच्चों और जानवरों के लिए भी पटाखों की आवाज बहुत डरावनी होती है। वे डर के मारे रोने लगते हैं और उनकी दिल की धड़कन बहुत तेज हो जाती है।

गर्भवती महिलाओं को खतरा

पटाखों से निकलने वाला धुआं गर्भवती महिलाओं और उनके गर्भ में पल रहे बच्चों के लिए गंभीर खतरा पैदा करता है। धुएं में मौजूद हानिकारक रसायन श्वसन तंत्र को प्रभावित कर सकते हैं, जिससे सांस लेने में कठिनाई हो सकती है। इसके अलावा, इन रसायनों के संपर्क में आने से गर्भ में पल रहे बच्चे में जन्मजात विकलांगता होने का खतरा बढ़ जाता है। लंबे समय तक धुएं के संपर्क में रहने से गर्भपात का खतरा भी बढ़ जाता है।

ट्रिगर होता है स्ट्रेस

पटाखों की आवाज बहुत से लोगों को परेशान करती है। तेज आवाज़ से कई लोगों को ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है और वे डिप्रेशन में भी जा सकते हैं। पटाखों की वजह से अच्छी नींद नहीं आती जिससे और भी परेशानी होती है। कई बार लोग बहुत चिड़चिड़े भी हो जाते हैं।

इस Diwali बिना पार्लर जाए पाना चाहती हैं सोने-सा निखार, तो 4 आसान स्टेप्स में करें ये सस्ता गोल्ड फेशियल

दिवाली 2024 के मौके पर खूबसूरत और चमकदार त्वचा हर कोई चाहता है। ऐसे में अगर हम कहें कि ये काम बिना पार्लर जाए ही पूरा हो सकता है तो आपको कैसा लगेगा? जी हां आज हम आपको ऐसे 4 आसान स्टेप्स बताएंगे जिनकी मदद से आप चेहरे पर जमा डेड स्किन को हटाकर घर पर ही सोने-सा निखार पा सकेंगी।

नईदिल्ली। त्योहार के मौके पर ग्लोइंग और हेल्दी स्किन हर कोई चाहता है। इसके लिए महिलाएं अक्सर ब्यूटी पार्लर जाती हैं जिसमें काफी पैसा भी खर्च होता है। ऐसे में, अगर हम कहें कि आपका चेहरा हर रोज इतना खूबसूरत दिख सकता है कि लोग आपसे पूछें कि क्या तुम अभी-अभी पार्लर से आई हो? जी हां, ये सच है!

बेशक बिजी लाइफस्टाइल में खुद के लिए समय निकाल पाना हमेशा आसान नहीं होता है, इसलिए आज हम आपके लिए एक ऐसा नुस्खा (Ghar Par Facial Kaise Kare) लाए हैं जो आपको घर पर ही गोल्ड फेशियल जैसा ग्लो देगा और आपकी त्वचा को मुलायम बनाकर चेहरे को क्लीन लुक भी देगा। तो आइए बिना देर किए दीवाली से एक दिन पहले इस नुस्खे (Gold Facial For Golden Glow) को अपना लीजिए क्योंकि हम यहां आपको स्टेप बाय स्टेप पूरा प्रोसेस समझा रहे हैं।

गोल्ड फेशियल का स्टेप-1

कोई भी स्किनकेयर प्रोडक्ट इस्तेमाल करने से पहले चेहरे को अच्छी तरह साफ करना बहुत जरूरी है। अगर आपकी त्वचा पहले से साफ नहीं है, तो प्रोडक्ट्स गंदगी के साथ मिलकर मुहांसे और अन्य समस्याएं पैदा कर सकते हैं। एक आसान तरीका है कच्चे दूध और कॉटन बॉल्स से चेहरा साफ करना। दूध न सिर्फ मेकअप और गंदगी हटाता है बल्कि त्वचा को भी मुलायम बनाता है और दाग-धब्बों को कम करने में मदद करता है।

गोल्ड फेशियल का स्टेप-2

दूसरा स्टेप है स्क्रब करना। ये ब्लैकहेड्स और व्हाइटहेड्स को हटाकर त्वचा को साफ और चमकदार बनाता है। घर पर स्क्रब बनाने के लिए, एक कटोरी में चीनी, शहद और नींबू का रस मिलाएं। चीनी एक प्राकृतिक एक्सफोलिएंट है जो डेड स्किन सेल्स को हटाता है, शहद त्वचा को पोषण देता है और नींबू का रस नेचुरल ब्लीच के रूप में काम करता है। इस मिश्रण को चेहरे पर हल्के हाथों से 5-6 मिनट तक मसाज करें और फिर ठंडे पानी से धो लें।

गोल्ड फेशियल का स्टेप-3

तीसरा और बेहद जरूरी स्टेप है चेहरे पर भाप लेना। भाप हमारी त्वचा के लिए बेहद फायदेमंद होती है क्योंकि यह त्वचा के छिद्रों को खोलकर गंदगी को गहराई से साफ करती है। इस तरह, त्वचा सांस लेने में सक्षम होती है और स्वस्थ रहती है। इसलिए, रोजाना भाप लेना आदर्श होता है। खासतौर से रात को सोने से पहले भाप लेना काफी फायदेमंद होता है। आप चाहें तो भाप वाले पानी में लौंग, नींबू का रस या नीम की पत्ती डाल सकते हैं। ये सभी त्वचा के लिए फायदेमंद होते हैं और त्वचा से जुड़ी कई तरह की समस्याओं को दूर करने में मदद करते हैं।

गोल्ड फेशियल का स्टेप-4

गोल्ड फेशियल के लास्ट स्टेप में एक कटोरी में एक चम्मच नारियल का तेल, शहद, और नींबू का रस, आधा चम्मच हल्दी और एक चम्मच दही मिलाएं। इस मिश्रण को अच्छी तरह फेंट लें और फिर इसे अपने चेहरे पर लगाएं। लगभग 5 मिनट तक इसे ऐसे ही रहने दें। इसके बाद, चेहरा धो लें। आप पाएंगे कि आपकी त्वचा पहले से ज्यादा निखरी हुई और चमकदार हो गई है। इस नुस्खे को रेगुलर अपनाने से आपको नेचुरल तरीके से ग्लोइंग स्किन मिल जाए।

दिल्ली के एलजी की डीडीए को सलाह, खेल परिसरों की सदस्यता शुल्क बढ़ाने वाला सर्कुलर ले वापस

दिल्ली के एलजी वीके सक्सेना ने डीडीए को अपने खेल परिसरों की बढ़ी हुई फीस से संबंधित सर्कुलर वापस लेने की सलाह दी है। एलजी का यह कदम खेल परिसर के सदस्यों और जन प्रतिनिधियों की प्रतिक्रिया के जवाब में आया है। डीडीए ने सभी खेल परिसरों की सदस्यता के लिए कॉमन कार्ड लॉन्च करने की तैयारी पूरी कर ली थी।

नईदिल्ली। एलजी वीके सक्सेना ने दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए, DDA) को अपने खेल परिसरों की बढ़ी हुई फीस से संबंधित सर्कुलर वापस लेने की सलाह दी है। एलजी का यह कदम खेल परिसर के सदस्यों और जन प्रतिनिधियों की प्रतिक्रिया के जवाब में आया है, जिन्होंने डीडीए द्वारा हाल ही में जारी सर्कुलर में उल्लिखित बढ़ी हुई सदस्यता शुल्क पर चिंता जताई थी।

मंगलवार को एक्स पर एक पोस्ट में, राजनिवास ने लिखा, "डीडीए खेल परिसरों के सदस्यों और सार्वजनिक प्रतिनिधियों के प्रतिनिधित्व के बाद एलजी ने डीडीए को उस सर्कुलर को वापस लेने की सलाह दी है जिसमें खेल परिसरों में सदस्यता और अन्य शुल्क में वृद्धि की गई है।" इस पोस्ट में यह भी कहा गया, "खेलेगा इंडिया तभी तो बढ़ेगा इंडिया।"

कॉमन कार्ड होगा जारी

मालूम हो कि डीडीए ने सभी खेल परिसरों की सदस्यता के लिए कॉमन कार्ड लॉन्च करने की तैयारी पूरी कर ली थी। एक नवंबर से यह कार्ड लांच होना था और इसी के साथ मौजूदा सदस्यता शुल्क भी बढ़ाए जाने का सर्कुलर जारी किया गया था। लेकिन सदस्यता शुल्क में की गई वृद्धि का हर स्तर पर विरोध हो रहा था।

इसी पर एलजी ने संज्ञान लिया है। बताया जाता है कि अब नई दरें एक नवंबर से लागू नहीं होंगी और डीडीए के नए उपाध्यक्ष की नियुक्ति के बाद ही कुछ तय हो पाएगा।

पटाखों पर पूर्ण प्रतिबंध के लिए गोपाल राय ने दिए सख्ती बरतने के निर्देश

पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने दिल्ली में पटाखों पर पूर्ण प्रतिबंध लागू करवाने के लिए संबंधित विभागों को सख्ती बरतने के निर्देश दिए हैं। मंगलवार को दिल्ली सचिवालय में एक अहम बैठक के दौरान इसकी विस्तृत जानकारी भी ली गई। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस की 300 टीमें लगातार निगरानी कर रही हैं। अब तक 19,005 किलोग्राम पटाखे जब्त किए गए हैं।

दिल्ली में 24 घंटे खुलेंगी दुकानें, महिला कर्मियों की भी अलग होगी टाइमिंग; जानिए सीएम आतिशी के नए आदेश में क्या-क्या

दिल्ली में अब 111 और दुकानें और व्यावसायिक प्रतिष्ठान 24 घंटे खुले रहेंगे। सीएम आतिशी के इस फैसले से आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। महिला कर्मचारियों के लिए अलग टाइमिंग भी तय की गई है। दिल्ली शॉप एस्टेब्लिशमेंट एक्ट 1954 के प्रावधानों और नियमों का उल्लंघन करने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। जानिए नए आदेश में और क्या-क्या है।

नई दिल्ली। सीएम आतिशी ने मंगलवार को दिल्ली के अंदर 111 और दुकानों एवं व्यवसायिक प्रतिष्ठानों को 24 घंटे खोलने की मंजूरी दी है। सरकार की इस पहल से दिल्ली के अंदर आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा और लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे।

इन प्रतिष्ठानों को 24 घंटे संचालित के लिए दिल्ली के श्रम विभाग की ओर से मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्ताव रखा गया था। सभी व्यवसायिक प्रतिष्ठान कमर्शियल, रिटेल ट्रेड या बिजनेस कैटेगरी के हैं।

एलजी को भेजी गई फाइल

दिल्ली शॉप एस्टेब्लिशमेंट एक्ट 1954 के प्रावधानों और नियमों का उल्लंघन करने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। अब इसकी अंतिम मंजूरी देने के लिए एलजी के पास फाइल भेजी गई है, जिन दुकानों को 24 घंटे संचालित करने की अनुमति दी गई है।

महिला कर्मियों के लिए नियम

गर्मियों के दिनों में रात नौ से सुबह सात बजे तक और ठंड के मौसम में रात आठ से सुबह आठ बजे के बीच किसी भी प्रतिष्ठान में महिला कर्मचारियों को काम करने की अनुमति नहीं होगी।

निर्धारित समय पर खुलेंगी दुकानें

दुकानों को निर्धारित समय के अंदर ही खोलना और बंद करना होगा। इसका उल्लंघन करने पर व्यवसायिक प्रतिष्ठान बंद कराए जा सकते हैं। अगर ग्राहक इंतजार कर रहे हैं तो दुकान खोलने के लिए 15 मिनट का अतिरिक्त समय मिलेगा। अलग-अलग इलाकों में दुकानों को खोलने या बंद रखने का अलग-अलग समय तय हो सकता है और स्वामियों को उसका पालन करना होगा।

175 लोगों ने किया था आवेदन

दिल्ली शाप एंड एस्टिब्लिशमेंट्स एक्ट 1954 के तहत दिल्ली के श्रम विभाग के पास 24 घंटे दुकानों का संचालन करने के इच्छुक 175 लोगों ने आवेदन किया था। श्रम विभाग द्वारा इन आवेदन पत्रों और दस्तावेजों की गहनता से जांच की गई। इसमें से 111 आवेदन पत्र सभी मानक पूरे करते पाए गए और उनको स्वीकृति दे दी गई है।

कुछ सालों में 700 से अधिक दुकानों को दी है अनुमति

पिछले कुछ वर्षों में दिल्ली के अंदर 24 घंटे दुकानों व व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के संचालन की अनुमति लेने वालों की संख्या में काफी वृद्धि हुई है। सीएम द्वारा समय-समय पर मानदंडों को पूरा करने वाले व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को मंजूरी दी जाती है। इससे पहले, फरवरी में 23 दुकानों और प्रतिष्ठानों को 24 घंटे खोलने की अनुमति दी थी। जबकि जनवरी में 32 दुकानों और अगस्त 2023 में 29 और नवंबर 2023 में 83 दुकानों व व्यवसायिक प्रतिष्ठानों को अनुमति दी थी।

कांग्रेस से पांच बार रह चुके विधायक के बेटे और बहू ने थामा आप का दामन

दिल्ली में साल 2025 की शुरूआत में विधानसभा चुनाव होने हैं। लेकिन उससे पहले कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। पांच बार के विधायक रहे कांग्रेस नेता चौधरी मतीन अहमद के बेटा चौधरी जुबेर अहमद बहू शगुफ्ता चौधरी ने आम आदमी पार्टी में शामिल हो गए हैं। अगले विधानसभा चुनाव में इनकी टिकट पक्की मानी जा रही है।

नई दिल्ली। सीलमपुर सीट से कांग्रेस के स्तंभ माने जाने वाले पांच बार के विधायक रहे कांग्रेस नेता चौधरी मतीन अहमद का बेटा चौधरी जुबेर अहमद और बहू शगुफ्ता चौधरी मंगलवार को आप में शामिल हो गईं इस ज्वाइनिंग के महत्व का इसी से अंदाजा लगाया जा सकता है कि आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को टोपी और पटका पहनाकर इन्हें सदस्यता दिलवाई।

इसके बाद पार्टी कार्यालय में आप से राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने इनका स्वागत करते हुए पार्टी कार्यालय में इस बारे में घोषणा की। सूत्रों की मानें तो अगले विधानसभा चुनाव में जुबेर की सीलमपुर सीट से टिकट पक्की मानी जा रही है।उधर चौधरी मतीन अहमद ने कहा है कि बेटा बहू जरूर आप में शामिल हुए हैं, मगर मेरी कांग्रेस (Delhi Congress) में अटूट आस्था है और वह कांग्रेस में ही रहेंगे।

सीलमपुर सीट पर हुआ बड़ा उलटफेर

सीलमपुर सीट (Seelampur seat) पर राजनीति के मामले में इसे बड़े उलटफेर के रूप में देखा जा रहा है। बदले हालात से आप से स्थानीय विधायक अब्दुल रहमान के नाराज होने की चर्चा है। हालांकि उन्होंने इस बारे में अभी कोई बयान नहीं दिया है। मगर उन्होंने अपने फेसबुक एकाउंट पर पोस्ट डाली है जिसमें उन्होंने पार्टी के प्रदेश अल्पसंख्यक विंग के अध्यक्ष से इस्तीफा देने की बात कही है।

जुबेर और उनकी पत्नी के आप में जाने से कांग्रेस को झटका

कहा यह भी जा रहा कि जुबेर के आप में शामिल होने से आप (AAP) में विधानसभा चुनाव के लिए टिकट मांग रहे कुछ और नेता भी नाराज हुए हैं। बहरहाल यह बात तय है कि जुबेर और उनकी पत्नी के आप में जाने से कांग्रेस को झटका जरूर लगा है। जुबेर अहमद कांग्रेस (Chaudhary Zuber Ahmed) पार्टी से बाबरपुर से जिलाध्यक्ष थे और उनकी पत्नी शगुफ्ता चौधरी कांग्रेस से चौहान बांगर सीट से निगम पार्षद हैं।

पीएम मोदी ने केजरीवाल पर लगाए गंभीर आरोप

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल (Arvind Kejriwal) ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी (PM Modi) की उस आलोचना का जवाब दिया है जिसमें उन्होंने दिल्ली सरकार पर आयुष्मान भारत योजना को लागू न करने का गंभीर आरोप लगा दिया। केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में रहने वाले हर व्यक्ति को सरकार की योजना के तहत पूरा इलाज मुफ्त मिलता है चाहे कितने भी पैसे क्यों न लग जाए।

दिल्ली में धनतेरस पर जमकर हुई धनवर्षा, 10 हजार करोड़ की सोना-चांदी और हीरों की हुई खरीदारी

परिवहन विशेष न्यूज

धनतेरस पर दिल्ली के बाजारों में जमकर खरीदारी हुई। सोने-चांदी की कीमतों में बढ़ोतरी के बावजूद लोगों ने जमकर खरीदारी की। धनतेरस पर दिल्ली के बाजारों में करीब 10 हजार करोड़ रुपये की धनवर्षा हुई है। मंगलवार को 24 कैरेट सोने का दाम 81500 प्रति 10 ग्राम का बिका जबकि चांदी रिकार्ड एक लाख 500 रुपये प्रति किलो रहा।

नई दिल्ली। आशंकाएं निर्मूल साबित हुईं। सोने व चांदी के दाम में वृद्धि के बावजूद धनतेरस पर दिल्ली के खरीदारों में उत्साह देखा गया। कई बाजारों में देर रात तक दुकानें खुली रही, जहां गहनों के साथ ही सोने व चांदी के सिक्के व मूर्तियों समेत अन्य उत्पादों की खरीदारी होती रही। चांदनी चौक स्थित दरीबा कलां व कूचा महाजनी के साथ ही करोलबाग जैसे ज्वेलरी के थोक बाजारों की दुकानें खरीदारों से गुलजार रही। बाजार के जानकारों के अनुसार,

धनतेरस पर दिल्ली के बाजारों में करीब 10 हजार करोड़ रुपये की धनवर्षा हुई है। मंगलवार को 24 कैरेट सोने का दाम 81,500 प्रति 10 ग्राम का बिका, जबकि चांदी रिकार्ड एक लाख 500 रुपये प्रति किलो रहा।

सोने-चांदी और हीरे की खरीद में उत्साह

धनतेरस पर सोने-चांदी की खरीद को शुभ माना जाता है। साथ ही आवश्यकता तथा निवेश के लिए भी लोग बहुमूल्य धातु की खरीद करते हैं। इसलिए बाजार में सोने-चांदी के साथ हीरे के गहनों की खरीद में लोगों का उत्साह देखा गया।

शादियों का सीजन भी होता है शुरू

इस मौके पर वो परिवार भी खरीदारी करने पर जोर देते हैं, जिनके घर में शादी होनी है। या उपहार में सोने व हीरे के गहने देने हैं। अगले माह से शादियों का मौसम भी शुरू हो जाएगा। जिसके लिए खरीदारी के लिए लोगों ने इस खास दिन को चुना।

ज्वेलर्स ने ग्राहकों को ऐसे लुभाया

वहीं, ग्राहकों को लुभाने के लिए ज्वेलर्स ने मेकिंग चार्ज में 10 से 100 प्रतिशत की छूट के साथ हीरे के गहनों में 10 से 50 प्रतिशत तक की छूट दी थी। इसी तरह, सोने के गहनों में भी 10 से 40 प्रतिशत की छूट की पेशकश की थी।

साथ ही दुकानों के साथ ही बाजारों में बेहतर तरीके से सजावट की गई थी। खरीदारों की भीड़ से कहीं बाजारों में अव्यवस्था न पैदा हो इसके लिए भागीरथ पैलेस जैसे संकरे व थोक बाजारों में पुलिसबल की भी तैनाती रही।

ज्वेलर्स की पहले से थी तैयारियां

दरीबा ज्वेलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष तरुण गुप्ता के अनुसार, अधिकतर लोगों ने समय रहते बुकिंग करा ली थी और मंगलवार को उसका डिलीवर लिया। जबकि, बहुत खरीदारों ने सीधे मोलभाव कर व ज्वेलरी पसंद कर खरीदारी की। ग्राहकों की पसंद के मद्देनजर ज्वेलर्स ने तैयारियां पहले से कर ली थीं, जिसमें हल्के वजन के नए डिजाइन के गहने प्रमुख थे।

उनके अनुसार, धनतेरस पर दिल्ली के ज्वेलरी की दुकानों पर करीब आठ से 10 करोड़ रुपये की बिक्री का अनुमान है। दिल्ली में करीब सात हजार ज्वेलरी की दुकानें हैं।

लोगों ने निवेश पर दिया जोर

ऑल बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन, कूचा महाजनी के चेयरमैन योगेश सिंघल के मुताबिक, लोगों ने बुलियन में निवेश पर जोर दिया, जिसके चलते सोने व चांदी के बिस्कुट की भी मांग रही। करोलबाग के ज्वेलर्स पुनीत भोला के अनुसार, बिक्री का यह रुख और बेहतर होता अगर सोने व चांदी के दाम थोड़े कम होते।

'प्रधानमंत्री जी, यह सही नहीं है...'; किस बात से खफा हुए अरविंद केजरीवाल

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उस आलोचना का जवाब दिया है जिसमें उन्होंने दिल्ली सरकार पर आयुष्मान भारत योजना को लागू न करने का आरोप लगाया था। केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में रहने वाले हर व्यक्ति को सरकार की योजना के तहत पूरा इलाज मुफ्त मिलता है चाहे कितने भी पैसे क्यों न लगें।

नईदिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजधानी दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार द्वारा आयुष्मान भारत योजना अब तक लागू न किए जाने पर दिल्ली सरकार का आलोचना की थी। इसके बाद दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आप सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल का बयान आया है।

अरविंद केजरीवाल ने सोशल साइट एक्स पर पोस्ट कर कहा,

प्रधान मंत्री जी,

लोगों के स्वास्थ्य के मुद्दे पर गलत बोलना ठीक नहीं है। इस पर राजनीति करना सही नहीं है।

दिल्ली सरकार की योजना के तहत दिल्ली में रहने वाले हर व्यक्ति को पूरा इलाज मुफ्त मिलता है चाहे कितने रुपए लगें। पांच रुपये की गोली से लेकर चाहे एक करोड़ का इलाज हो, दिल्ली सरकार हर व्यक्ति का पूरा इलाज मुफ्त करवाती है। अगर आप कहेंगे तो इसका लाभ उठाने वाले लाखों लोगों के नाम मैं आपको भेज दूंगा।

क्या आयुष्मान भारत योजना से लोगों को लाभ हुआ? CAG (कैग) को आयुष्मान भारत योजना में कई गड़बड़ियां मिलीं। जिन राज्यों में आयुष्मान योजना लागू है, उन राज्यों में आज तक मैं एक भी व्यक्ति से नहीं मिला, जिसका आयुष्मान भारत में इलाज हुआ हो। मेरी आपसे विनती है कि आप दिल्ली के मॉडल का अध्ययन करें और आयुष्मान भारत योजना की जगह दिल्ली मॉडल को पूरे भारतवर्ष में लागू करें जिस से लोगों का जमीन पर फायदा हो।

पीएम मोदी ने क्या कहा

29 अक्टूबर को 9वें आयुर्वेद दिवस के अवसर पर दिल्ली में अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (AIIA) में विभिन्न स्वास्थ्य परियोजनाओं के उद्घाटन के बाद संबोधित में पीएम मोदी ने कहा, मैं दिल्ली और पश्चिम बंगाल के 70 वर्ष से अधिक उम्र के हर बुजुर्ग से क्षमा मांगता हूं कि मैं आपकी सेवा नहीं कर पाऊंगा। मुझे पता तो चलेगा कि आपको कष्ट है, लेकिन मैं आपकी सहायता नहीं कर पाऊंगा, क्योंकि अपने राजनीतिक स्वार्थ के कारण दिल्ली और पश्चिम बंगाल की सरकार 'आयुष्मान भारत योजना' से जुड़ नहीं रही है।

पहले इलाज के लिए बिक जाती थी जमीन

पीएम मोदी ने कहा कि एक समय था, जब इलाज के लिए लोगों के घर, जमीनें, गहने सब बिक जाते थे। गंभीर बीमारी के इलाज का खर्च सुनते ही गरीब की आत्मा कांप जाती थी। पैसे की कमी की वजह से इलाज न करा पाने की बेबसी, बेचारगी गरीब को तोड़कर रख देती थी।

शर्मिला टैगोर ने भोपाल पटौदी कप टूर्नामेंट में भाग लिया

नई दिल्ली (सुषमा रानी)

जयपुर पोलो ग्राउंड में आज खेले गए फाइनल में अचीवर्स ने जिंदल पैंथर को 9 गोल से 8 गोल से हराकर जूम कम्युनिकेशंस भोपाल-पटौदी कप (06 गोल) टूर्नामेंट का खिताब जीता। हुर्र अली को सबसे मूल्यवान खिलाड़ी और अचीवर्स पोलो टीम के मारे मिर्ची को सर्वश्रेष्ठ पोलो पोनी चुना गया। शर्मिला टैगोर ने जूम कम्युनिकेशंस के कार्यकारी निदेशक गौरव कांत की उपस्थिति में खिलाड़ियों को ट्रॉफी और पुरस्कार प्रदान किए।

शर्मिला ने कहा, 'मुझे खुशी है कि यह टूर्नामेंट लोगों के बीच लोकप्रिय हो रहा है और सभी पोलो खेल को पसंद कर रहे हैं। मैंने बहुत अच्छा समय बिताया और खेल का पूरा आनंद लिया।'

जूम कम्युनिकेशंस भोपाल-पटौदी कप का फाइनल एक रोमांचक मैच था, जो तेज गति से खेला गया, सभी खिलाड़ियों ने अपनी शानदार घुड़सवारी और स्टिक वर्क का प्रदर्शन किया। नवीन सिंह ने 5 गोल किए, बॉतिस्ता अलबर्डी ने 3 गोल किए और शमशीर अली ने अचीवर्स के लिए एक गोल किया, जबकि सिमरन एस शेरगिल ने 3 गोल किए, हुर्र अली और सिद्धांत

शर्मा ने 2-2 गोल किए और महेंद्र सिंह राठौर ने जिंदल पैंथर के लिए एक गोल किया।

दिवाली के बहुत करीब होने के बावजूद 500 से अधिक लोग दर्शकों में खड़े थे। दिन के पहले मैच के दौरान, उनके कमांडेंट कर्नल अमित बेरवाल के नेतृत्व में राष्ट्रपति के बॉडीगार्ड पोलो टीम ने जूम कम्युनिकेशंस पोलो ट्रॉफी जीती, जबकि उनके कमांडेंट कर्नल विक्रमजीत कालोन के नेतृत्व में 61 वीं कैवलरी पोलो टीम उपविजेता टीम रही। 61 वीं कैवलरी और पीबीजी के बीच मैच बेहद प्रतिस्पर्धी था जिसमें पीबीजी ने 1 गोल के अंतर से जीत हासिल की। अंततः, भारतीय सेना की पोलो टीम ने दिल्ली पोलो सीज़न 2024 की पहली ट्रॉफी जीती। पूर्व भारतीय पोलो विश्व कप खिलाड़ी लेफ्टिनेंट कर्नल विशाल चौहान भी सीज़न के पहले मैच के दौरान खेलते हुए देखे गए।

एक लाख दीये...लेजर और ड्रोन शो रहेंगे आकर्षण का मुख्य केंद्र, अयोध्या की तर्ज पर दिल्ली में भी होगा दीपोत्सव

रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा के बाद अयोध्या में पहली दीपावली का उत्सव मनाया जाएगा। अयोध्या की तरह ही इस साल दिल्ली में भी दीपोत्सव का त्योहार मनाया जाएगा। बता दें इस दीपोत्सव का आयोजन देव दीपावली पर 14 नवंबर को यमुना के वासुदेव घाट पर होगा। उपराज्यपाल वीके सक्सेना कुछ महीने पहले यमुना की आरती शुरू करवा चुके हैं।

नईदिल्ली। अयोध्या की तर्ज पर इस साल दिल्ली में भी दीपोत्सव देखने को मिलेगा। इसमें दीयों की संख्या भले ही उतनी न हो, लेकिन श्रद्धा एवं उत्साह का भाव कमोबेश वैसा ही होगा। खास बात यह कि इस उत्सव में समाज के हर वर्ग की भागीदारी और विशिष्ट व अति विशिष्ट लोगों की उपस्थिति भी रहेगी। जानकारी के मुताबिक दिल्ली दीप उत्सव के नाम से इस दीपोत्सव का आयोजन देव दीपावली पर 14 नवंबर को यमुना के वासुदेव घाट पर किया जाएगा। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) द्वारा विकसित इस घाट पर एलजी वीके सक्सेना कुछ महीने पहले यमुना की आरती भी शुरू करवा चुके हैं।

भगवान राम की दर्शायी जाएगी झांकी : यह आरती हर मंगलवार एवं रविवार शाम होती है। उन्हीं के प्रयासों से अब इस घाट पर दीपोत्सव की परिकल्पना को साकार किया जा रहा है। बताया जाता है कि दीपोत्सव में एक लाख से अधिक दीये जलाए जाएंगे। लेजर शो से भगवान राम की झांकी दर्शायी जाएगी तो ड्रोन शो भी किए जाने पर विचार- विमर्श चल रहा है। यह आयोजन शाम छह बजे के लगभग शुरू होगा और रात साढ़े सात - आठ बजे तक चलेगा। समापन पर बाकायदा प्रसाद वितरण की भी व्यवस्था होगी। हालांकि सुरक्षा कारणों और भीड़ प्रबंधन के मद्देनजर दीपोत्सव में जनभागिता कैसे एवं कितनी हो, इस पर भी रणनीति बन रही है।

नोएडा, गाजियाबाद से फरीदाबाद जाना होगा आसान, नए एफएनजी एक्सप्रेस-वे से गुरुग्राम जाने का भी मिलेगा ऑप्शन

परिवहन विशेष न्यूज

फरीदाबाद नोएडा गाजियाबाद (एफएनजी) एक्सप्रेस-वे पर जल्द काम शुरू होगा। नोएडा में मंगरौली से फरीदाबाद लालपुर तक यमुना पर 600 मीटर लंबा पुल बनेगा। इस एक्सप्रेस-वे का काम पूरा होने के बाद गाजियाबाद से फरीदाबाद और गुरुग्राम जाना आसान हो जाएगा। इससे गाजियाबाद वालों को फरीदाबाद जाने के लिए दिल्ली जाने की जरूरत नहीं होगी। परियोजना के सर्वे का काम पूरा हो गया है।

नोएडा। फरीदाबाद नोएडा गाजियाबाद (एफएनजी) एक्सप्रेस-वे पर दोबारा से जल्द काम शुरू होगा। इसको लेकर हाल ही में नोएडा प्राधिकरण और लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) हरियाणा के बीच एक बैठक हुई थी। जिसमें बताया गया कि पीडब्ल्यूडी की ओर से इस एक्सप्रेस-वे की परियोजना के सर्वे का काम पूरा कर लिया गया है।

इस एक्सप्रेस-वे की नई डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) में तीन अलांइमेंट (मार्ग) तैयार किए गए हैं। पीडब्ल्यूडी मुख्यालय द्वारा मंजूरी देने के बाद एक पर काम शुरू किया जाएगा। बता दें कि नोएडा में एक्सप्रेस-वे का करीब 17 किमी हिस्से का 70 प्रतिशत काम पूरा किया जा चुका है।

फरीदाबाद के गांव लालपुर में आकर निकलेगा एक्सप्रेस-वे

यह एक्सप्रेस-वे छिजारसी से नोएडा ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे को पार करता हुआ यमुना तक करीब 23 किमी का है। एक्सप्रेस-वे गाजियाबाद के एनएच-9 को नोएडा के छिजारसी, बहलोलपुर, सोहरखा, सेक्टर 112, 140, एक्सप्रेस-वे, सेक्टर-168 होकर फरीदाबाद के गांव लालपुर में आकर निकलेगा। यह पहला एक्सप्रेस-वे होगा जो तीन एनसीआर के तीन बड़े शहरों को सीधे जोड़ेगा।

नोएडा से फरीदाबाद को जोड़ने के लिए बनेगा 600 मीटर लंबा पुल

नोएडा से फरीदाबाद को जोड़ने के लिए यमुना पर करीब 600 मीटर लंबा पुल बनाया जाएगा। यह पुल नोएडा के मंगरौली गांव से फरीदाबाद के लालपुर तक जाएगा। इसके आगे फरीदाबाद अपनी एप्रोच रोड बनाएगा। पुल के निर्माण में करीब 200 करोड़ रुपये खर्च होंगे। जिसका वहन नोएडा प्राधिकरण और हरियाणा सरकार 50-50 प्रतिशत करेगी।

NH-9 पर एलिवेटेड लूप बनाकर गाजियाबाद से जोड़ा जाएगा

साथ ही दोनों ओर की एप्रोच रोड अपने-अपने खर्चे पर तैयार की जाएगी। एफएनजी नोएडा के छिजारसी से शुरू होकर मंगरौली तक जाएगी। छिजारसी के पीछे एनएच-9 पर एलिवेटेड लूप बनाकर इसे गाजियाबाद से जोड़ा जाएगा। इसको लेकर एनएचएआइ से बातचीत की जाएगी। छिजारसी कट से आगे 650 मीटर का एलिवेटेड ट्रैक बनाया जाएगा। यह एलिवेटेड छिजारसी से बहोलपुर अंडरपास के पास तक होगी।

परियोजना की विशेषता

- एक्सप्रेस-वे पूरा बनने के बाद गाजियाबाद से फरीदाबाद जाने के लिए दिल्ली नहीं जाना होगा।
- गाजियाबाद और नोएडा से न केवल फरीदाबाद जाना आसान होगा, बल्कि गुरुग्राम जाने का नया विकल्प मिलेगा।
- एफएनजी एक्सप्रेस-वे नोएडा, ग्रेनो वेस्ट, ग्रेटर फरीदाबाद के लिहाज से लाइफलाइन से कम नहीं होगा।
- इससे कालिंदी कुंज, नोएडा के मास्टर प्लान सड़क पर यातायात भार होगा कम।

छिजारसी के ऊपर से निकाला जाएगा एलिवेटेड

इसके बनाने में 700 करोड़ का खर्च आएगा। 11 साल पहले इसकी डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) बनाने की बात हुई थी। खास यह है कि इस एलिवेटेड को छिजारसी गांव के ऊपर से निकाला जाएगा।

जिससे नीचे की आबादी को दिक्कत नहीं होगी। इसके आगे 14.610 के किमी पर एक एलिवेटेड रोड प्रस्तावित है। यह रोड 5.65 किमी की होगी। यह रोड हरनंदी पुश्ता से होकर बनाई जाएगी। इसके बाद नोएडा ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे पर एक अंडरपास बनेगा।

गुरुग्राम की सोहना अनाज मंडी में चलेगा बुलडोजर? मार्केट कमेटी पर कार्रवाई नहीं करने का आरोप

गुरुग्राम शहर की सोहना स्थित अनाज मंडी में अतिक्रमण करने से यहां आने वाले आम लोगों के साथ किसानों को भी काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। यहां पर अतिक्रमण करने वालों ने अपनी दुकान के आगे कई फीट ऊंचे चबूतरे बना लिए हैं। कइयों ने तो टीन शेड बनाकर कब्जा कर लिया है।

ग्रेटर नोएडा। गुरुग्राम शहर की अनाज मंडी में अतिक्रमण के कारण लोगो का मंडी में से वाहन लेकर गुजरना मुश्किल हो गया है। मंडी में कहीं सड़क तो कहीं आम रास्तों पर रेहड़ी वालों ने अतिक्रमण किया हुआ है। अधिकतर आढ़तियों ने अपनी दुकान के सामने कई फीट ऊंचे चबूतरे और टीन शेड का निर्माण कर कब्जा जमाया हुआ है।

कमेटी के कर्मियों की इस मनमानी के कारण आम लोगों को समस्या का सामना करना पड़ता है। हालात यह हैं कि आम लोगों के साथ किसानों को अपने वाहन लाने और ले जाने में भारी परेशानी होती है।

अवैध निर्माण और कब्जा पर नहीं लगा है प्रतिबंध

इन सबके पीछे मार्केट कमेटी के कर्मियों की लापरवाही और मिलीभगत है।इसकी वजह से न तो मंडी में अवैध निर्माण और कब्जा पर प्रतिबंध लगा न ही अतिक्रमण हटा। रेहड़ी वालों ने तो मंडी में निकास द्वार से लेकर अग्रवाल धर्मशाला तक सड़क के दोनों ओर कब्जा किया हुआ है।

ऐसा नहीं मंडी में अतिक्रमण को लेकर मार्केट कमेटी के अधिकारी और कर्मचारी अनजान हों बल्कि कमेटी के कर्मियों की शह पर मंडी में अतिक्रमण चरम पर है। रेहड़ी वालों से कमेटी के कर्मचारी उगाही करते हैं जिससे यह रेहड़ी वाले सड़क पर रेहड़ी लगा अतिक्रमण जमाए हुए हैं।

अतिक्रमण को लेकर लोगों ने रखी अपनी राय

विनोद राघव

अनाज मंडी परिसर के अंदर अवैध रूप से खोखे, रेहड़ियां लगाई हुई हैं। सुबह से लेकर शाम तक एक ही स्थान पर जमे रहते हैं। ऐसा होने से वाहन चालकों और राहगीरों को निकलने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अतिक्रमण को लेकर कोई समाधान नहीं किया गया है।

सुंदरपाल सिंगला

अनाज मंडी में बने बरसाती नाले पर अवैध खोखा जमा अतिक्रमण किया हुआ है। ऐसे लोगों पर मार्केट कमेटी कोई कार्यवाही नहीं करती है। वर्षों से यह लोग नाले पर कब्जा कर खोखा लगा सब्जी, घी, दूध, पनीर का कारोबार कर रहे हैं जिन पर मार्केट कमेटी क्यों लगाम नहीं लगाती।

नवीन गर्ग

अनाज मंडी में चारों ओर गंदगी के अंबार लगे रहते हैं। सफाई व्यवस्था पूरी तरह से चौपट है। गंदगी के ढेर लगे हुए हैं। कई-कई दिन तक कूड़ा नहीं उठाने से बदबू उठती रहती है। ऐसे कर्मियों पर विधायक या अधिकारियों को नकेल कसनी चाहिए।

मोहन सैनी

मार्केट कमेटी की ओर से समय-समय पर अतिक्रमण हटाने की मुहिम चला कार्यवाही होती रही है। जहां अतिक्रमण होगा उसे हटाया जाएगा।

घर का सपना होगा पूरा! दिवाली पर YEIDA की 821 आवासीय भूखंड योजना होगी लॉन्च, नोट करें ड्रा निकलने की डेट

नोएडा में अपना घर का सपना देखने वाले लोगों के लिए खुशखबरी है। दीवाली पर यीडा एक बार फिर से आवासीय भूखंड योजना निकालने जा रहा है। 821 भूखंड की आवासीय योजना लॉन्च होगी। बता दें यीडा की हाल ही में आवासीय भूखंड योजना 23 अगस्त को खत्म हुई थी।

नोएडा। यमुना प्राधिकरण दीपावली के दिन एक बार फिर आवासीय भूखंड योजना निकालने जा रहा है। इस योजना में 821 भूखंड शामिल होंगे। यह भूखंड सेक्टर 18 व 24 में होंगे।

योजना में आवेदन के लिए तीस नवंबर तक मौका मिलेगा। 27 दिसंबर को योजना का ड्रा निकालकर भूखंड का आवंटन किया जाएगा। सेक्टर 24 के भूखंडों को रेरा पंजीकरण न मिलने के कारण जुलाई में निकाली गई योजना में इन्हें शामिल नहीं किया जा सका था।

जुलाई में निकली थी 361 आवासीय भूखंड की योजना

यमुना प्राधिकरण ने जुलाई में 361 आवासीय भूखंड की योजना निकाली थी। इस योजना में प्राधिकरण को दो लाख दो हजार से अधिक आवेदन मिले थे। दस अक्टूबर को योजना का ड्रा किया गया था। प्राधिकरण एक फिर दीपावली के दिन आवासीय भूखंड योजना निकालने जा रहा है।

इसमें 120 वर्गमीटर, 162 वर्गमीटर, 200 वर्गमीटर व 250 वर्गमीटर के 821 भूखंड शामिल होंगे। योजना में आन लाइन आवेदन के अलावा कुल कीमत का भुगतान करने के लिए पूर्व योजना की तरह तीनों विकल्प होंगे, लेकिन भूखंडों की संख्या के सापेक्ष आवेदन अधिक होने पर एक मुश्त भुगतान वालों को ही प्राथमिकता मिलेगी।

योजना में तीस नवंबर तक आवेदन का मौका

प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डा. अरुणवीर सिंह का कहना है कि आवासीय भूखंडों (की मांग को देखते हुए एक और योजना निकालने का फैसला किया गया है। सेक्टर 18 के नौ ए व नौ बी ब्लॉक और सेक्टर 24 में भूखंडों का आवंटन होगा।

सेक्टर-24 के भूखंडों के लिए प्राधिकरण को रेरा पंजीकरण संख्या प्राप्त हो चुकी है। योजना में तीस नवंबर तक आवेदन का मौका मिलेगा। 27 दिसंबर को ड्रा और असफल आवेदकों की पंजीकरण राशि 29 दिसंबर तक उनके खाते में वापस भेज दी जाएगी। सेक्टर 24 में 344 भूखंड हैं शेष भूखंड सेक्टर 18 में हैं।

सलमान खान को धमकी देने वाला नोएडा से गिरफ्तार, पंजाब के गिरोह से सामने आया था आरोपी का कनेक्शन

एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी के बेटे जीशान सिद्दीकी और बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान को जान से मारने की धमकी देने के मामले में मुंबई पुलिस ने कार्रवाई की है। पुलिस ने नोएडा से मंगलवार को आरोपित मोहम्मद तैयब को गिरफ्तार किया है। आरोपित 20 वर्षीय युवक को सेक्टर 39 क्षेत्र से दबोचा गया है। वह बेल्डिंग और पेंटर का काम करता है।

नोएडा। फिल्म अभिनेता सलमान खान और एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी के बेटे जीशान सिद्दीकी को को धमकी देने के मामले में मुंबई पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 20 वर्षीय एक युवक को सेक्टर 92 से मंगलवार सुबह गिरफ्तार कर लिया।

मुंबई पुलिस ट्रांजिट रिमांड पर आरोपित को लेकर गयी है। डीसीपी नोएडा रामबदन सिंह ने गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए बताया कि आरोपित की पहचान बरेली निवासी मोहम्मद तैयब के रूप में हुई है।

दिल्ली में चाचा के घर रहता है आरोपी

गिरफ्त में आया आरोपित वर्तमान में दिल्ली कर्दम पुरी ज्योति पूरी में अपने चाचा के पास रह रहा है और कारपेंटर का काम करता है। गिरफ्तारी के दौरान आरोपित सेक्टर 92 स्थित एक कोठी में पेंटर का काम कर रहा था। गिरफ्तारी के कुछ देर पहले मुंबई पुलिस ने आरोपित की नोएडा पुलिस को जानकारी दी। मुंबई पुलिस और सेक्टर 39 पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए आरोपित को गिरफ्तार कर लिया।

मुंबई पुलिस के कंट्रोल रूम पर किया था टेक्स्ट मैसेज

आरोपित ने मुंबई पुलिस के कंट्रोल रूम के मोबाइल नंबर पर टेक्स्ट मैसेज किया था। 'सलमान खान को नहीं छोड़ेंगे, जल्द बुरा होगा'। मुंबई पुलिस ने सर्विलांस से लोकेशन निकाली तो आरोपित की लोकेशन नोएडा में मिली।

आखिर क्या था मकसद?

पुलिस ने गिरफ्त में आए आरोपी के अन्य साथियों के बारे में भी जानकारी कर रही है। फिल्म अभिनेता को धमकी देने की क्या वजह है। पुलिस इसकी भी जांच कर रही है। आखिर उसने धमकी क्यों दी। लॉरेंस विश्नोई से भी कनेक्शन की जांच की जा रही है। चर्चा है कि आरोपित का पंजाब के एक गिरोह से कनेक्शन होना सामने आया है।

दाऊद का गुणगान करने वाले के बाद अब पेंटर के नोएडा से जुड़े तार

बीते दिनों ही सोशल मीडिया पर कुख्यात गैंगस्टर दाऊद इब्राहिम का गुणगान करने वाले आरोपी के खिलाफ फेज वन थाने की पुलिस ने केस दर्ज किया था और केस दर्ज करने के कुछ ही घंटे बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया था। उस मामले में भी आरोपी ने सोशल मीडिया पर बाबा सिद्दीकी की हत्या के बाद दाऊद इब्राहिम का गुणगान करते हुए पोस्ट डाली थी।

प्रमुख बातें

- पुलिस ने नोएडा सेक्टर 92 की एक कोठी से किया गिरफ्तार
- मुंबई पुलिस के कंट्रोल रूम पर दी थी पेंटर ने धमकी
- आरोपित पिता करते हैं सिलाई का काम
- 20 वर्षीय आरोपित के पिता मोहम्मद ताहिर हैं।
- वह सिलाई का काम करते हैं। उसकी दो बहन भी हैं।
- आरोपित को ट्रांजिट रिमांड पर ले गयी मुंबई पुलिस

12 अक्टूबर को हुई थी बाबा सिद्दीकी की हत्या

उल्लेखनीय है कि महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री की मुंबई में बिश्नोई गिरोह के सदस्यों द्वारा कथित तौर पर गोली मारकर हत्या किए जाने के कुछ सप्ताह बाद सलमान खान को जान से मारने की धमकी मिली। बांद्रा पुलिस ने 20 वर्षीय संदिग्ध कॉलर को आज नोएडा में गिरफ्तार किया।

आरोपित ने शुक्रवार (25 अक्टूबर) शाम को कॉल कर धमकी दी थी। एनसीपी के विधायक जीशान सिद्दीकी के कार्यालय द्वारा इस मामले की शिकायत दर्ज कराई गई थी। 12 अक्टूबर को बाबा सिद्दीकी की कार्यालय के बाहर दशहरा के अवसर पर पटाखे फोड़ते समय गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

सिद्दीकी की हत्या मामले में 15 लोग हुए गिरफ्तार

पुलिस ने अब तक बाबा सिद्दीकी की हत्या के सिलसिले में 15 लोगों को गिरफ्तार किया है। बिश्नोई गिरोह के एक सदस्य ने पूर्व राज्य मंत्री की हत्या की जिम्मेदारी लेते हुए कहा था कि सलमान खान के साथ उनके करीबी संबंधों के कारण उन्हें निशाना बनाया गया।

बंटेंगे तो कटेंगे कोई नारा नहीं, सच्चाई है

ललित गर्ग

निश्चित रूप से बंटेंगे तो कटेंगे कोई नारा नहीं बल्कि सदियों की सच्चाई है। जब-जब हिन्दू कमजोर हुआ है, तब तब उस पर अत्याचार बढ़े हैं, उनका सफाया कर दिया गया है। कश्मीर में हिंदुओं ने ताकत नहीं दिखाई तो उनका नरसंहार हुआ।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह एवं महासचिव दत्तात्रेय होसबोले ने हिंदू समुदाय को जाति और विचारधारा के आधार पर विभाजित करने के प्रयासों के खिलाफ लोगों को आगाह करते हुए समाज और लोक कल्याण के लिए 'हिंदू एकता' के महत्व पर भी जोर दिया है। अपने को बचाये रखने एवं दूसरों के मंगल के लिये हिन्दू एकता वर्तमान की बड़ी अपेक्षा है, इसलिये उन्होंने अपना विस्तृत दृष्टिकोण पेश करते हुए न केवल हिन्दू शब्द का विरोध करने वालों पर करारा प्रहार किया है, बल्कि देश में अराजकता का माहौल पैदा करने वाले मुस्लिम संगठनों पर भी सीधी चोट की है। विशेषतः नफरती एवं विघटनकारी सोच के लिये राहुल गांधी पर भी कड़ा प्रहार किया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 'बंटोगे तो कटोगे' बयान का समर्थन करते हुए कहा कि वर्तमान हालात में हिन्दू एकता बनाए रखना आवश्यक है, क्योंकि कई जगहों पर धर्मांतरण की घटनाएं हो रही हैं। गणेश पूजा और दुर्गा पूजा के दौरान कुछ स्थानों पर हिन्दुओं पर हमले हुए हैं। बांग्लादेश में हिन्दुओं पर तरह-तरह के अत्याचार हो रहे हैं। हिन्दुओं पर लगातार हो रहे हमलों एवं उन्हें विभाजित किये जाने की साजिशों को नियंत्रित करने के लिये हिन्दू को संगठित होना ही चाहिए। दत्तात्रेय ने जहां हिन्दुओं को जगाया वहीं राजनीतिक दलों की नींद उड़ा दी, विपक्ष विशेषतः कांग्रेस की हिन्दू विरोधी सोच का पर्दापाश किया।

सरकार्यवाह होसबोले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की वार्षिक अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की बैठक में हिन्दू समाज को जाति, भाषा एवं प्रांत के भेद में बांटने के विपक्षी दलों के प्रयासों की चर्चा करते हुए कहा कि हम बंटेंगे तो निश्चित रूप से कटेंगे, इसलिये हिन्दू समाज में एकता आवश्यक है।' उन्होंने इसे जीवन मंत्र जैसा बताया। दिया। उन्होंने देश के सामने कुछ ऐसी बड़ी चुनौतियों को भी रेखांकित किया, जिसे लेकर राजनीतिक दलों एवं साम्प्रदायिक संगठनों की भृकुटि कुछ तन गई है। मथुरा स्थित गऊ ग्राम परखम के दीनदयाल उपाध्याय गौ विज्ञान एवं अनुसंधान केंद्र में आयोजित 25 और 26 अक्टूबर 2024 की इस बैठक में संघ के सभी 46 प्रांतों के प्रांत एवं सह प्रांत संघचालक, कार्यवाह तथा प्रचारकों ने हिस्सा लिया। योगी आदित्यनाथ ने हरियाणा विधानसभा चुनाव के दौरान एक रैली में हिंदुओं को जातियों में बांटने की विपक्षी दलों की रणनीति के प्रति आगाह करते हुए कहा था कि विपक्ष चाहता है कि मुसलमान एकजुट होकर ताकतवर और हिंदू जातियों में विभाजित होकर कमजोर बने रहें। योगी आदित्यनाथ ने पड़ोसी देश में मुसलमानों के हाथों बेगुनाह हिंदुओं के मारे जाने का हवाला देकर कहा था कि बंटेंगे तो कटेंगे। इस बयान की विपक्ष ने कड़ी आलोचना की, हालांकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने अलग-अलग तरह से इस संदेश को आगे बढ़ाया है। इसी कड़ी में सरकार्यवाह होसबाले हिन्दू एकता एवं संगठन की आवश्यकता व्यक्त की।

सरकार्यवाह होसबोले एक सक्रिय, साहसी, चिन्तनशील, राष्ट्रयोद्धा, समाजसुधारक और बदलाव लाने वाले संघ नेता हैं। वे देशहित में अच्छी रचनात्मक एवं सृजनात्मक बातें करते हैं, बदलाव चाहते हैं, राष्ट्र को तोड़ना नहीं जोड़ना चाहते हैं, अच्छी बात यह भी है कि संघ एक जागरूक संगठन है और हर समस्या पर अपना दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है। हर व्यक्ति के दिमाग में एक समस्या है और हर व्यक्ति के दिमाग में एक समाधान है। एक समस्या को सब अपनी समस्या समझे और एक का समाधान सबके काम आए। समाधान के अभाव में बढ़ती हुई समस्या संक्रामक बीमारी का रूप न ले सके, इस दृष्टि से आज का समाधान आज प्रस्तुत करने के लिए आरएसएस निरन्तर जागरूक रहता है। इसीलिये हिन्दू एकता के लिये व्यापक प्रयत्नों की अपेक्षा है। बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के लोगों की परेशानियों को लेकर भारत सरकार ने कदम उठाए हैं। दुनिया में कहीं भी किसी भी हिंदू को अगर कोई परेशानी होती है तो वह मदद के लिए भारत की तरफ ही देखता है। देश एवं दुनिया में हिन्दुओं से जुड़ी परेशानियों एवं समाधान की दृष्टि से एक सशक्त वातावरण बनना अपेक्षित है। होसबाले ने ऐसी ही जटिल होती समस्याओं में लव जिहाद का मुद्दा भी उठाया और कहा कि लव जिहाद से समाज में समस्या हो रही है। उन्होंने कहा, 'लड़कियों को लव जिहाद के प्रति जागरूक करें। हमारे समाज की बहन-बेटियों को बचाना हमारा काम है।' उन्होंने दावा किया कि केरल में 200 लड़कियों को लव जिहाद से बचाया गया है। ध्यान रहे कि अभी राजधानी दिल्ली के नांगलोई इलाके में मुस्लिम लड़के सलीम ने खुद को संजू बताकर हिंदू लड़की सोनिया को प्यार के जाल में फंसाया। सलीम ने सोनिया के साथ शारीरिक संबंध बनाए और उसे गर्भवती कर दिया। सोनिया ने जब शादी दबाव बनाया तो सलीम ने दो दोस्तों के साथ उसकी हत्या कर दी और शव को हरियाणा में अपने ननिहाल के गांव में एक खेत में गाड़ दिया।

निश्चित रूप से बंटेंगे तो कटेंगे कोई नारा नहीं बल्कि सदियों की सच्चाई है। जब-जब हिन्दू कमजोर हुआ है, तब तब उस पर अत्याचार बढ़े हैं, उनका सफाया कर दिया गया है। कश्मीर में हिंदुओं ने ताकत नहीं दिखाई तो उनका नरसंहार हुआ। लाहौर की 75 प्रतिशत आबादी हिंदुओं और सिखों की थी, कराची में हिंदू, सिंधी और हिंदू पंजाबी जनसंख्या के दो तिहाई थे, काबुल में 1950 तक एक तिहाई हिंदू-सिख थे, रंगून में एक तिहाई आबादी हिंदुओं की थी, सभी जगहों पर आज हिंदुओं-सिखों का सफाया हो गया। इसीलिये सरकार्यवाह होसबोले की दृष्टि में बंटने के प्रति सचेत करने का मतलब अनेकता में एकता का मंत्र है। हम जाति, वर्ग में भले अनेक हों, लेकिन इस आधार पर हम बंटे नहीं बल्कि एकजुट रहें। बांग्लादेश के संदर्भ में भारत सरकार ने वहां हिंदुओं सहित सभी अल्पसंख्यकों की सुरक्षा का आश्वासन दिया है। संघ ने उस समय भी कहा था कि हिंदू समुदाय को वहीं रहना चाहिए और पलायन नहीं करना चाहिए।

संघ की नजरों में धर्मांतरण और हिन्दुओं को विभाजित करने से हिन्दू जनसंख्या का संतुलन बिगड़ा है और वे अल्पसंख्यक होते गये हैं। इस मायने में होसबोले का उद्बोधन कोई स्वप्न नहीं, जो कभी पूरा नहीं होता। यह तो हिन्दुओं को सशक्त एवं विकसित बनाने के लिए ताजी हवा की खिड़की है। यह सामाजिक समरसता का भी जीवनमंत्र है। संघ इस संवाद को कायम रखेगा क्योंकि समाज को तोड़ने के लिए बहुत सी कोशिशें हो रही हैं, विपक्षी दल अपने राजनीतिक हितों के लिये हिन्दू समुदाय को तोड़ने एवं विभाजित करने के लिये तरह-तरह के षडयंत्र कर रहे हैं। एक बार फिर संघ ने राजनीति से परे जाकर देश को जोड़ने, सशक्त बनाने एवं नया भारत निर्मित करने का सन्देश दिया है और इस सन्देश को जिस तरह आकार दिया जाना है, उसका दिशा-निर्देश भी दिया गया है।

आरएसएस महासचिव ने कहा, महात्मा गांधी ने भी स्वराज्य का मंत्र दिया था। 'स्व' का मतलब है 'स्वाधीनता', राष्ट्रीय स्वत्व। यहां हिन्दुओं को अपनी परंपरा, अपनी सभ्यता, उसके अनुभवों के साथ व्यवहार करना है, आधुनिकता का पालन करना है, आधुनिकता में भी 'स्व' को नहीं भूलना है। इस 'स्व' को जीवंतता देकर ही हिन्दू समाज टूटने एवं बिखरने से बच सकता है। किसी भी समाज में बिखराव की स्थिति होती है तो उसकी क्षमताओं का पूरा उपयोग नहीं हो सकता। उपयोग के लिए क्षमताओं को केन्द्रित करना जरूरी है। समाज का हर व्यक्ति अपने आप में एक शक्ति है। इस शक्ति को काम में लेने से पहले उसे एकात्ममुख करना जरूरी है। होसबोले के आह्वान का हार्द हिन्दुओं को सशक्त बनाते हुए राष्ट्र को नयी शक्ल देने का है। वास्तव में यदि हम भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के अपने सपने को साकार करना चाहते हैं तो हमें अपनी सोच और अपने तौर-तरीके बदलने होंगे। जब होसबोले देश को बदलने और आगे ले जाने के लिए संकल्प व्यक्त कर रहे हैं तो फिर हिन्दुओं का भी यह दायित्व बनता है कि वह अपने हिस्से के संकल्प ले, संगठित हो।

– :सौजन्य :–
ईवी ड्राइव द फ्यूचर
EV
Drive the Future

भारत में इलेक्ट्रिक वाहन उतने ही जरूरी हैं, जैसे मनुष्य के लिए ऑक्सीजनः कालीचरण सर्राफ

परिवहन विशेष न्यूज

भारत में इलेक्ट्रिक वाहन उतने ही जरूरी हैं, जैसे मनुष्य के लिए ऑक्सीजन, क्योंकि अगर साफ हवा नहीं मिली तो फिर लोगों जीना मुहाल हो जाएगा। हमें प्रदूषण के बीच कई गंभीर जानलेवा बीमारियों का सामना करना पड़ेगा। जब अभी से हालात बेहद गंभीर हो चुके हैं तो भविष्य के खतरे का सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है।

यह कहना है राजस्थान के पूर्व चिकित्सा मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ विधायक कालीचरण सर्राफ का। सर्राफ ने देश की जानी मानी रयोटो इलेक्ट्रिक्स कंपनी के अधिकृत शोरूम अतुल्य ईवी मोटर्स का उद्घाटन करते हुए यह बात कही। उन्होंने ईवी व्हीकल्स को आज की सबसे बड़ी जरूरत बताते हुए लोगों से ज्यादा से ज्यादा कार्बन उत्सर्जन से परे इलेक्ट्रिक वाहनों के इस्तेमाल का आह्वान किया।

इस उद्घाटन के मौके पर रयोटो कंपनी कंपनी कॉ फाउंडर मुक्तिका शर्मा, सीईओ और मैनेजिंग डायरेक्टर संदीप रलहान, शोरूम पार्टनर विनोद कुमार जांगिड़ सहित कई प्रतिष्ठित लोग मौजूद रहे। रेयोटो कॉ फाउंडर मुक्तिका शर्मा ने बताया कि कार्बन फुट प्रिंट को कम करने, पर्यावरण संरक्षण को बढावा देने के उद्देश्य से कंपनी ने शुरूआती दौर में रेयोटो इलेक्ट्रिक्स के 5 स्कूटर लॉन्च किए हैं।

हमारी कंपनी का लक्ष्य प्रति माह 50 हजार स्कूटर का निर्माण करने का है और हम 200 भारतीय शहरों में जल्द अपनी उपस्थिति प्रमुखता से दर्ज कराएंगे। उन्होंने कहा कि एक तरफ पेट्रोल की बढ़ती कीमतों और दूसरी तरफ अनुकूल सरकारी नीतियों के कारण इलेक्ट्रिक वाहनों की कीमतों में कमी और तेजी से विकसित हो रहे EV इकोसिस्टम के कारण रेयोटो इलेक्ट्रिक्स सेगमेंट तेजी से विकास के लिए तैयार है।

जीटी फोर्स ने ईवी फाइनेंसिंग के लिए कैश ग्रीन के साथ की साझेदारी

परिवहन विशेष न्यूज

इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन निर्माता जीटी फोर्स ने एआई-संचालित वित्तीय प्लेटफॉर्म कैशे की इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन वित्तपोषण शाखा कैशे ग्रीन के साथ साझेदारी की है, ताकि जीटी फोर्स के कम गति और उच्च गति वाले इलेक्ट्रिक मॉडलों में रुचि रखने वाले ग्राहकों के लिए वित्तपोषण को आसान बनाया जा सके, जिसमें लोकप्रिय जीटी वेगास और जीटी राइड प्लस शामिल हैं।

यह साझेदारी ग्राहकों को प्रतिस्पर्धी ब्याज दरों, त्वरित वितरण और एक कागज रहित प्रक्रिया जैसे वित्तपोषण विकल्प प्रदान करती है जिसमें डिजिटल केवाईसी, समझौते और व्यक्तिगत ऋण योजनाएं शामिल हैं। ये समाधान मिलेनियल्स और जेन जेड खरीदारों के बढ़ते आधार के लिए पहुंच बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं, जिससे पर्यावरण के अनुकूल वाहनों में बदलाव आर्थिक रूप से अधिक व्यवहार्य हो जाता है।

जीटी वेगास मॉडल 1.5 kWh लिथियम-आयन बैटरी के साथ आता है, जो 70 किमी की रेंज और 25 किमी/घंटा की अधिकतम गति प्रदान करता है, जबकि जीटी राइड प्लस में 2.2 kWh लिथियम-आयन बैटरी है, जिसकी विस्तारित रेंज 95 किमी है और अधिकतम गति भी उतनी ही है। दोनों मॉडल का उद्देश्य पर्यावरण के प्रति जागरूक ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करना है, जो लागत प्रभावी, कम गति वाले इलेक्ट्रिक वाहन चाहते हैं।

यह सहयोग हाल ही में ग्रीन-केंद्रित एनबीएफसी इकोफाई, ईएसएएफ स्मॉल फाइनेंस बैंक और लोनटैप के साथ जीटी फोर्स के सहयोग के बाद हुआ है। कैश ग्रीन के साथ नई साझेदारी के माध्यम से, जीटी फोर्स पूरे भारत में ग्राहक-अनुकूल वित्तपोषण समाधान प्रदान करने की अपनी क्षमता को मजबूत करता है।

"कम गति वाले दोपहिया वाहनों की मांग तेजी से बढ़ रही है, फिर भी इस सेगमेंट के लिए खुदरा वित्तपोषण विकल्प प्रदान करने वाली बहुत कम कंपनियाँ हैं। CASHe Green के साथ हमारा सहयोग न केवल इस अंतर को दूर करता है बल्कि समग्र ग्राहक अनुभव को भी बेहतर बनाता है। हमें विश्वास है कि निर्बाध वित्तपोषण समाधान प्रदान करके, हम अधिक व्यक्तियों को पर्यावरण के अनुकूल गतिशीलता में बदलाव करने और पर्यावरण पर सकारात्मक प्रभाव डालने के लिए सशक्त बना सकते हैं।" GT Force के सह-संस्थापक और प्रबंध निदेशक मुकेश तनेजा ने कहा।

कैशई के सीईओ यशोराज त्यागी ने कहा कि ऋण के लिए पारंपरिक बाधाओं को पार करके, युवा उपभोक्ताओं को कम गति वाले इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों में आत्मविश्वास से निवेश करने के लिए सशक्त बनाया जा रहा है, जिससे वे हरित गतिशीलता क्रांति का हिस्सा बन सकें। उन्होंने कहा, "यह साझेदारी न केवल पर्यावरण के अनुकूल परिवहन को प्रोत्साहित करती है, बल्कि वित्तीय सुलभता को भी पुनर्परिभाषित करती है, समावेशिता को बढ़ावा देती है और सभी के लिए हरित, अधिक टिकाऊ भविष्य का समर्थन करती है।"

जीटी फोर्स डीलरों को कैश ग्रीन के वित्तपोषण विकल्पों को सुविधाजनक बनाने के लिए व्यापक समर्थन और प्रशिक्षण मिलेगा, जिसमें तत्काल पूर्व-अनुमोदन जांच के लिए क्यूआर कोड शामिल हैं। कंपनी ने कहा कि हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में 40 डीलरशिप के साथ, जीटी फोर्स 2024 के अंत तक 100 शोरूम तक विस्तार करेगी, जिससे पर्यावरण के अनुकूल दोपहिया वाहनों की पहुंच बढ़ेगी और इस वित्तपोषण साझेदारी के लाभों का लाभ उठाया जा सकेगा।

टीपीईएम और राजस्थान सोलर एसोसिएशन ने ईवी चार्जिंग के लिए सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए की साझेदारी

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। टाटा मोटर्स की सहायक कंपनी टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और राजस्थान सोलर एसोसिएशन (आरएसए) ने राजस्थान में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) को बढ़ावा देने और ईवी चार्जिंग के लिए सौर ऊर्जा के उपयोग के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

जिन ग्राहकों ने अपने घर या व्यवसाय स्थल पर सौर ऊर्जा प्रणाली स्थापित की है, वे टाटा ईवी की खरीद पर अतिरिक्त छूट के लिए पात्र होंगे। आरएसए प्रमाणन प्रक्रिया की देखरेख करेगा, यह सुनिश्चित करते हुए कि पात्र ग्राहक राजस्थान में लागू छूट का लाभ उठा सकें। एसोसिएशन पूरे राज्य में टीपीईएम के इलेक्ट्रिक वाहन पोर्टफोलियो के लाभों को भी बढ़ावा देगा।

टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स के मुख्य रणनीति अधिकारी बालाजी राजन ने कहा, "रूफटॉप सोलर ईवी मालिकों के लिए एक अनूठा अवसर प्रस्तुत करता है, जो कम लागत वाली बिजली और शून्य-उत्सर्जन गतिशीलता के दोहरे लाभ प्रदान करता है।

90% से ज़्यादा EV ग्राहक घर पर ही चार्ज करते हैं और लगभग 30% पहले से ही घर पर चार्जिंग के लिए रूफटॉप सोलर का इस्तेमाल करते हैं। इस तालमेल का लाभ उठाकर, EV उपयोगकर्ता ईंधन की लागत को प्रभावी ढंग से खत्म कर सकते हैं और वास्तविक शून्य-लागत गतिशीलता को सक्षम कर सकते हैं। EV इंफ्रास्ट्रक्चर को और विकसित करने के हमारे प्रयास में, हमने अपने EV खरीदते समय रूफटॉप सोलर इंस्टॉलेशन को एक साथ लाने वाले पैकेज पेश किए हैं।"

राजस्थान सोलर एसोसिएशन के सीईओ नितिन अग्रवाल ने कहा, "यह सहयोग राजस्थान में इलेक्ट्रिक वाहन खपत में एक क्रांतिकारी कदम होगा, क्योंकि यह सौर ऊर्जा को ईवी के साथ जोड़ता है, जो हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने और पारंपरिक ईंधन पर निर्भरता को कम करने में एक महत्वपूर्ण कदम का प्रतिनिधित्व करता है, जो एक स्थायी भविष्य की दिशा में राजस्थान की यात्रा में एक प्रमुख मील का पत्थर है।"

रेनॉल्ट इंडिया ने रायपुर में 100 वाहनों की डिलीवरी के साथ मनाया धनतेरस

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। रेनॉल्ट इंडिया ने धनतेरस के अवसर पर एक ही दिन में 100 कारों की डिलीवरी करके एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की। छत्तीसगढ़ के रायपुर में महादेवा ग्रुप डीलर ने एक डिलीवरी कार्यक्रम आयोजित किया जिसमें रेनॉल्ट इंडिया की टीम और डीलर पार्टनर के प्रयासों से ग्राहकों की महत्वपूर्ण भागीदारी देखी गई।

डिलीवर किए गए वाहनों में 52 रेनॉल्ट ट्राइबर, 30 रेनॉल्ट किगर और 18 रेनॉल्ट क्विड थे। हाल ही में लॉन्च किए गए नाइट एंड डे लिमिटेड एडिशन वेरिएंट ने भी इस कार्यक्रम की सफलता में योगदान दिया। यह उपलब्धि रेनॉल्ट इंडिया की बढ़ती उपस्थिति और भारतीय उपभोक्ताओं के बीच इसके मॉडलों की अपील को दर्शाती है।

रेनॉल्ट इंडिया के उपाध्यक्ष बिक्री विपणन सुधीर मल्होत्रा ने ग्राहकों की प्रतिक्रिया पर संतोष व्यक्त किया, उन्होंने बताया कि त्योहारी सीजन के दौरान रायपुर में 100 से अधिक इकाइयों की डिलीवरी की गई। उन्होंने रेनॉल्ट ब्रांड में भारतीय ग्राहकों के भरोसे पर जोर दिया और ट्राइबर, किगर और क्विड मॉडल की सराहना की। उन्होंने भारतीय बाजार में आगे बढ़ते हुए गुणवत्तापूर्ण उत्पाद और अनुभव प्रदान करने के लिए रेनॉल्ट इंडिया की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

ट्राइबर को भारतीय परिवारों की ज़रूरतों को ध्यान में रखते हुए विशाल और मॉड्यूलर बनाया गया है। इसमें 7-इंच का TFT इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, वायरलेस चार्जर और ड्राइवर सीट आर्मरेस्ट और पावर फोल्ड ORVM जैसी सुविधाएँ हैं। किगर सेमी-लेदरेट सीटों और लेदरेट स्टीयरिंग व्हील के साथ ड्राइविंग अनुभव को बेहतर बनाता है। नए तकनीकी अपडेट में ऑटो-फोल्ड ORVM और बेज़ल-लेस ऑटो-डिम IRVM शामिल हैं। टर्बो इंजन वेरिएंट में रेड ब्रेक कैलिपर्स हैं, और नए RXL और RXT(O) वेरिएंट के साथ लाइनअप का विस्तार किया गया है।

क्विड में RXL(O) वेरिएंट में 8-इंच टचस्क्रीन मीडिया NAV सिस्टम शामिल है, जो इसे हैचबैक सेगमेंट में प्रतिस्पर्धी बनाता है। इसके अतिरिक्त, सभी वेरिएंट में अब रियर सीटबेल्ट रिमाइंडर शामिल है, जो सुरक्षा में योगदान देता है। मानक के रूप में 14 से अधिक सुरक्षा सुविधाओं के साथ, क्विड को अपनी श्रेणी में एक सुरक्षित विकल्प के रूप में स्थान दिया गया है।

रेनॉल्ट इंडिया लगातार नए-नए उत्पाद पेश कर रही है और मूल्य-उन्मुख वाहन उपलब्ध करा रही है, जिसका उद्देश्य अपने ग्राहकों के जीवन को बेहतर बनाना और राष्ट्र के लिए योगदान देना है। हाल ही में, रेनॉल्ट इंडिया ने क्विड, काइगर और ट्राइबर सहित अपनी पूरी रेंज में नाइट एंड डे स्पेशल एडिशन पेश किया है।

सायरा ऑटो दिल्ली और बेंगलुरु में लॉजिस्टिक्स कंपनी पोर्टर को करेगी ई-कार्ट की आपूर्ति

परिवहन विशेष न्यूज

ई-कार्ट के नाम से मयूरी ब्रांड का निर्माण करने वाली कंपनी सायरा इलेक्ट्रिक ऑटो ने एल3 और एल5 ई-कार्ट की डिलीवरी के लिए ऑन-डिमांड लॉजिस्टिक्स प्लेटफॉर्म पोर्टर के साथ सहयोग की घोषणा की है। पायलट प्रोजेक्ट को दिल्ली और बेंगलुरू में शुरू किया जाएगा, जिसमें संबंधित शहरों में हर महीने 500 वाहन डिलीवर करने का शुरुआती अनुमान है। रणनीतिक साझेदारी शहरों में त्वरित डिलीवरी सेवाओं के लिए पर्यावरण के अनुकूल विकल्प प्रदान करने के लिए दोनों कंपनियों के दृष्टिकोण को उजागर करती है।

सायरा ऑटो और मायरू का लक्ष्य पोर्टर के उपयोगकर्ता आधार का विस्तार करके छोटे आकार और टिकाऊ परिवहन की बढ़ती मांग को भुनाना है। बेंगलुरु में त्वरित डिलीवरी सेवाओं की बढ़ती मांग ने कंपनियों को प्रत्येक शहर में प्रति माह 500 से 1,000 वाहनों के शुरुआती बेड़े से संभावित रूप से विस्तार करके परिचालन को बढ़ाने के लिए एक साथ आने के लिए प्रेरित किया है। इसके अलावा, यह पोर्टर के बेड़े में ईवी को शामिल करके अपनी पेशकशों को बढ़ाएगा और दोनों कंपनियों को लाभान्वित करेगा।

इस सहयोग से ड्राइवरों और लॉजिस्टिक्स पेशेवरों के लिए रोज़गार के अवसर पैदा होने की उम्मीद है, जिनकी न्यूनतम दैनिक आय 1,100 रुपये होगी, साथ ही मयूरी ई-कार्ट का उपयोग करके पोर्टर राइडर के रूप में प्रतिदिन 4,000 रुपये तक की कमाई की संभावना है। यह राइडर्स को यह भी सुनिश्चित करता है कि उनके वाहन की ईएमआई का भुगतान किया जाएगा, जिससे उन्हें स्थिर और सुरक्षित रोज़गार मिलेगा।

सायरा इलेक्ट्रिक ऑटो के प्रबंध निदेशक नितिन कपूर का कहना हैं कि हम भारत में अग्रणी कंपनियों में से एक के साथ साझेदारी करके खुश हैं जो शहरों में लोगों को लॉजिस्टिक्स सेवाएँ प्रदान करती है। इसके साथ हमारा लक्ष्य बेंगलुरु के बाज़ार पर कब्ज़ा करना और मयूरी की विशेषज्ञता को प्रदर्शित करना है, जो कम दूरी के त्वरित वाणिज्य और इंट्रा-सिटी डिलीवरी संचालन दोनों के लिए डिज़ाइन किए गए वाणिज्यिक उपयोगिता वाहनों की एक विविध श्रेणी प्रदान करती है। हमारे ई-लोडर और ई-डिलीवरी वैन कुशल, पर्यावरण के अनुकूल परिवहन समाधानों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं।

सायरा इलेक्ट्रिक ऑटो, जिसकी वर्तमान में अखिल भारतीय स्तर पर मजबूत उपस्थिति है और 750 से अधिक टचपॉइंट हैं। वर्तमान में भारत में नंबर 4 इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर ओईएम है और इस वर्ष के पहले नौ महीनों में इसने 21,443 इकाइयां बेची हैं।

दिवाली पर पटाखों से डैमेज हो गई कार, कैसे मिलेगा इंश्योरेंस क्लेम

परिवहन विशेष न्यूज

दिवाली के मौके पर बहुत से लोग पटाखे जलाते हैं। इसकी वजह से बहुत लोगों की कार डैमेज हो जाती है। जिसकी वजह से लोगों को काफी नुकसान का सामना करना पड़ जाता है। जिसे देखते हुए हम यहां पर आपको बता रहे हैं कि पटाखों से डैमेज हुई कार के लिए आप इंश्योरेंस क्लेम किस तरह से ले सकते हैं।

नई दिल्ली। दिवाली के पर्व को बहुत से लोग पटाखे (Diwali Crackers) जलाकर सेलिब्रेट करते हैं। इसकी वजह से कई बार लोगों को भारी नुकसान का सामना करना पड़ जाता है। इसमें घर में आग लगने से लेकर बाइक और कार डैमेज होना शामिल है। जिसे देखते हुए हम यहां पर आपको बता रहे हैं कि अगर दिवाली (Diwali 2024) के पर्व पर पटाखों से आपकी कार या बाइक डैमेज हो जाए तो आप किस तरह से उसपर इंश्योरेंस क्लेम ले सकते हैं। इसके साथ ही यह भी बता रहे हैं कि किस सिचुएशन में आपका इंश्योरेंस क्लेम रिजेक्ट हो सकता है।

क्या है कार इंश्योरेंस पॉलिसी?

पटाखों से डैमेज कार इंश्योरेंस क्लेम लेने से पहले यह जान लेते हैं कि कार इंश्योरेंस पॉलिसी (Car Insurance Claim) क्या होती है। यह तीन तरीकों से होती है, इसमें थर्ड-पार्टी कार इंश्योरेंस, स्टैंडअलोन पॉलिसी (खुद की वजह से हुआ डैमेज) और कॉम्प्रिहेंसिव कार इंश्योरेंस शामिल होती है। आग या ब्लास्ट की वजह से कार को होने वाले नुकसान को कॉम्प्रिहेंसिव और स्टैंडअलोन कार इंश्योरेंस पॉलिसी में कवर किया जाता है।

कार डैमेज होते ही क्या करें?

अगर आप अपनी डैमेज कार के लिए कवर लेना चाहते हैं तो इसके लिए आपको कुछ बातों का ध्यान रखना होगा। सबसे पहले जब आप कार को डैमेज देखे तो तुरंत ही कार इंश्योरेंस कंपनी और एजेंट को इसकी जानकारी दें। इससे आपको जल्दी मदद मिल सकती है और इंश्योरेंस पॉलिसी वाला एजेंट तुरंत इसके लिए अरेंजमेंट कर पाएगा।

जरूर करें FIR

जब आप अपनी कार डैमेज हो जाए तो उसके बाद उसकी FIR जरूर दर्ज करवाएं। पुलिस का इसकी जानकारी जरूर दें। पुलिस पूरी डिटेल्स लेने के बाद FIR दर्ज करेगा। दरअसल, हल्की कार डैमेज होने पर भी इंश्योरेंस कंपनियां FIR मांगती है, इससे उन्हें एक्सीडेंट की तारीख, टाइम और जगह की सही जानकारी जानने में मदद मिलती है।

ऐसे मिलता है इंश्योरेंस क्लेम

इंश्योरेंस कंपनी की तरफ से जब इंस्पेक्शन पूरा हो जाता है और आपका क्लेम सही है तो इसके बाद इंश्योरेंस एजेंट डॉक्यूमेंटेशन का काम शूरू कर देता है। डॉक्यूमेंटेशन पूरा हो जाने के बाद, इंश्योरेंस एजेंट क्लेम कवर कर देता है।

क्यों होता है इंश्योरेंस क्लेम रिजेक्ट?

- कार की बैटरी से निकली चिंगारी और इलेक्ट्रिक वायरिंग सिस्टम में खराबी होने की वजह से काम में आग लग जाती है तो कवर क्लेम रिजेक्ट कर दिया जाता है।
- AC या LPG गैस किट को चेंज करते समय या सेटिंग के दौरान गलती होने पर आग लगती है तो इंश्योरेंस कंपनी की तरफ से क्लेम रिजेक्ट कर दिया जाता है।
- कार में इंटरनल इशू, ऑयल लीक या ओवरहीटिंग जैसी समस्या की वजह से कार को होने वाले नुकसान को भी इंश्योरेंस कंपनी कवर क्लेम को रिजेक्ट कर देती है।

विजय गर्ग

सांस्कृतिक महत्व : त्यौहार सांस्कृतिक पहचान को संरक्षित करने का एक साधन थे। अनुष्ठान, पारंपरिक पोशाक, संगीत और नृत्य इन समारोहों के अभिन्न अंग थे, जो पीढ़ियों के बीच एक पुल के रूप में काम करते थे। सामुदायिक जुड़ाव : त्योहार समुदायों को एक साथ लाते हैं, जिससे अपनेपन और साझा पहचान की भावना को बढ़ावा मिलता है। वे अक्सर पारिवारिक संबंधों को मजबूत करने और मित्रता को नवीनीकृत करने की पृष्ठभूमि थे। शारीरिक भागीदारी : घरों को सजाने से लेकर जुलूसों में भाग लेने तक, त्योहारों में शारीरिक भागीदारी को उत्सव के एक अनिवार्य हिस्से के रूप में देखा जाता था।

मिठाइयों की उम्र

सर्वोच्च न्यायालय ने दो साल पहले दिल्ली समेत महानगरों में प्रदूषण के बढ़ते स्तर के चलते पटाखे छुड़ाने के बजाय मिठाइयां खाकर दिवाली मनाने की सलाह दी थी। अच्छे हलवाई की दूध- खोए की मिठाइयां अब सात सौ रुपए किलो से ऊपर ही मिल रही हैं। सबसे ज्यादा और स्वादिष्ट मिठाइयां दूध से ही बनती हैं। समय का कैसा उलटफेर है कि एक जमाने में पटाखों पर कोई रोक-टोक नहीं थी, जबकि दूध और दुग्ध पदार्थों पर नियंत्रण रखा जाता था । इस हद तक कि 1970 के दशक में देश के कई राज्यों में दूध पर पहरा लगने लगा था। उत्तर प्रदेश दुग्ध एवं दुग्ध पदार्थ नियंत्रण अधिनियम लागू किया गया, जिससे दूसरे राज्यों को दूध की आपूर्ति पर रोक लग गई। यही नहीं, पूरे देश में गर्मी के दिनों में पनीर और दूध की मिठाइयां बनाने-बेचने पर प्रतिबंध लगा दिया जाता, ताकि दूध का इस्तेमाल इनके लिए न हो सके। इससे पहले 1965 में पश्चिम बंगाल में 'छैना स्वीट्स कंट्रोल आर्डर' जारी किया गया, तो ऐसा ही कानूनी नियंत्रण पंजाब में 1966 में आया । इसी बीच, दिल्ली में भी दूध की रोक-टोक के लिए कड़ा कानून लागू किया गया। कानूनी रोक के मुताबिक, दिल्ली में पच्चीस से अधिक मेहमान-संख्या के समारोह आयोजन में खोया, छैना, रबड़ी और खुरचन से बनी मिठाइयां नहीं खाई जा सकतीं।

मौके बेमौके मिठाइयां खाने- खिलाने की चाह हर किसी को होती ही है । इसीलिए हर तीज-त्योहार से किसी न किसी मिठाई का खास जुड़ाव रहता है। कम ही खाने वाले जानते हैं कि मिठाइयों की भी एक उम्र होती है । उसके बाद उसकी गुणवत्ता में गिरावट शुरू हो जाती है । होली पर गुझिया का बोलबाला होता है, तो सावन के महीने में घेवर का । घेवर तो मुश्किल दो दिन ही चलता है, जबकि माना जाता है कि गुझिया काफी दिनों कर खराब नहीं होती, और खाने लायक रहती है। लेकिन ऐसा है नहीं । हलवाइयों की माने तो खरीदने के चार दिनों में गुझिया खा लेनी चाहिए। कलाकंद, मिल्क केक और बर्फी जैसी दूध-खोये से बनी

मिठाइयां चंद दिनों के लिए ही अच्छी रहती हैं, भले ही इन्हें हिफाजत से फ्रिज में रखा जाए। सबसे कम उम्र कलाकंद की है। कलाकंद केवल एक दिन में खा लिया जाए, तो उत्तम है, क्योंकि यह दानेदार होता है, दूध से लिपटा होता है और सूखे मेवे के चूरा का भी इसमें उपयोग भी होता है। दूध को ढाई-तीन घंटे काढ़- काढ़ कर यों बनाते हैं कि बारह लीटर दूध से करीब पौने चार किलो कलाकंद ही बनता है। आमतौर राजभोग, चम-चम, खोया बर्फी, खोया रोल और तिल बुग्गा दो दिन के बाद खाने लायक नहीं रहता । पंजाब में सर्दी के दिनों की खास मिठाई तिल बुग्गा खोए-चीनी को भून कर, तिल और मेवे मिला कर, लड्डुओं की शक्ल में बनाते हैं। मोहन भोग, रसकदम, रसो माधुरी, संदेश वगैरह ज्यादातर बंगाली मिठाइयों को फ्रिज में रखने की सबसे ज्यादा हिदायत दी जाती है। बंगाली मिठाइयां गाय के खालिस दूध की छैना से जो बनाई जाती हैं, इसीलिए उम्र दो दिन ही है।

हलवाई बताते हैं कि दाल पिन्नी, बूंदी या मोतीचूर लड्डू, छैना मुरकी, रसगुल्ला, गुलाब जामुन और शाही पिन्नी की उम्र तीन दिन है। हालांकि लगता यह है कि ये मिठाइयां तीन दिन से ज्यादा दिनों तक खाने लायक रहती हैं। मिल्क केक, कोकोनट बर्फी, चाकलेट बर्फी, कोकोनट लड्डू, केसर मलाई बर्फी वगैरह चार दिनों में खा लेने की सलाह दी जाती है, बेशक हम ज्यादा दिनों तक खाते रहें। काजू कतली, बेसन लड्डू और बालू शाही की उम्र सात दिनों की है। तब तक स्वाद नहीं बिगड़ता । काजू कतली बनाने के लिए काजू को भिगो कर पीसते हैं, फिर चीनी के साथ मिला कर, बर्फी की शक्ल में ढालते हैं। ऊपर चांदी का वर्क शोभा बढ़ाता है। इनके उपयोग की अवधि सात दिन होने की वजह से त्योहारी मौसम में लोग खोया बर्फी से ज्यादा काजू बर्फी के दीवाने होने लगे हैं। इसी तरह पिस्ता, बादाम और अखरोट की 'ड्राइ फ्रूट लौंज' कम से कम दो हफ्ते तक खाने लायक रहती हैं। दूसरी ओर, पेठा, अंगूरी पेठा, डोडा बर्फी वगैरह दस दिन तक खाने लायक रहते हैं । डोडा बर्फी पंजाब और जम्मू की लोकप्रिय मिठाई है । अंकुरित गेंहू को सुखा और पीस कर तैयार अंगूरी बनाते हैं। अंगूरी, दूध, चीनी वगैरह की कड़ाही में घंटों काढ़-काढ़ कर डोडा को काजू-पिस्ता की टापिंग कर बर्फी की शेप में बनाते हैं। बीस दिनों की लंबी उम्र नवाजी गई है पतीसा, पंजीरी और कराची हलवा को । पतीसा बेसन से बनता है।

सोन पापड़ी नाम की मिठाई को पतीसे का भाई - बहन कह सकते हैं। इसीलिए सोन पापड़ी की आदर्श उम्र भी बीस दिन ही है। सोहन हलवा देखने में बेशक सख्त लगता है, लेकिन खाने में कुरमुरा है, बावजूद इसके ज्यादा चबाना नहीं पड़ता, क्योंकि इसमें करीब सत्तर फीसद देसी घी ही होता है । इसलिए बिना फ्रिज में रखे एक महीने तक खा सकते हैं। मिठाइयों में सबसे ज्यादा उम्र हब्शी हलवा की है । कभी चख कर देखा जा सकता है। दूध, समलख (अंकुरित गेहूं), देसी घी, जाफरान, केसर, मेवे, चीनी वगैरह को कड़ाही में दस-बारह घंटे पका पका कर बनाते हैं। खास बात है कि फ्रिज के बिना भी खाने लायत जीवन छह महीने है। उम्र का तकाजा तो ठीक है, लेकिन त्योहारों के दौरान धड़ल्ले से बिकतीं नकली खोए की मिठाइयों का क्या किया जाए ? न खाए बनता है, न छोड़े । आमतौर पर खोया - छैना के मुकाबले बाकी मिठाइयों की खपत महज तीस फीसद ही है।

संपादकीय

कहानी : शोहरत का तमाशा

राघव का नाम चारों तरफ गूंज रहा था। मामूली घर से निकलकर उसने कारोबार की बुलंदियों को इस तरह छुआ था कि हर तरफ उसकी चर्चा थी। अखबारों में उसकी तस्वीरें छपतीं, रेडियो और सभाओं में उसका ज़िक्र होता। जो दोस्त-रिश्तेदार कभी उसके नाम से कतराते थे, वे अब उसके साथ खड़े नज़र आते। राघव को लगने लगा था कि ज़िंदगी की सारी मुश्किलों को उसने हरा दिया है। शोहरत के शिखर पर पहुँचकर उसे ये भ्रम होने लगा कि अब कभी कुछ गलत नहीं हो सकता।

लेकिन शोहरत का नशा वही करता है, जो शराब—पहले सिर चढ़ती है, फिर पैर के नीचे की ज़मीन खींच लेती है। एक शाम, दफ्तर में बैठा राघव नए मुनाफ़ों का हिसाब देख रहा था, तभी फोन की घंटी बजी। उधर से उसके मैनेजर ने हड़बड़ाई हुई आवाज़ में कहा, "सर, बाजार अचानक गिर गया है, हमारे शेयर धड़ाम से नीचे आ गिरे हैं!"

राघव को यकीन नहीं हुआ। जिस कारोबार की नींव उसने अपनी मेहनत से रखी थी, वह इस तरह धराशायी कैसे हो सकता था! कुछ ही दिनों में उसकी हालत ऐसी हो गई कि जिस सफलता पर वह घमंड करता था, वही अब लोगों की हँसी और चर्चा का कारण बन गई। जो लोग कल तक उसकी तारीफें करते नहीं थकते थे, वही आज उसकी नाकामियों का मजाक उड़ाने लगे।

राघव को अब एहसास हुआ कि जिस डाल पर वह बैठा था, वह कभी भी टूट सकती थी। लेकिन उसे यह समझने में देर हो गई थी। उसने दौलत और शोहरत के घमंड में न केवल अपने पुराने दोस्तों से दूरी बना ली थी, बल्कि अपने आपको भी भुला दिया था।

ऐसे में एक दिन उसका पुराना मित्र मोहन, जो उसकी बुलंदियों के वक्त भी उससे दूर नहीं हुआ था, मिलने आया। उसने बड़े स्नेह से कहा, "राघव, जीवन में ऊँचाइयाँ हासिल करना बुरा नहीं है, पर ऊँचाई पर रहते हुए यह भूलना सबसे बड़ा धोखा है कि इंसान को कभी भी गिरना पड़ सकता है। शोहरत और दौलत का खेल पल भर का तमाशा है—आज हैं, कल नहीं। इसीलिए हमेशा विनम्र रहना चाहिए।"

उस रात राघव ने अपने कमरे में देर तक सोचा। उसे एहसास हुआ कि उसने लोगों को छोटा समझा, अपनों से मुँह मोड़ा, और सफलता के नशे में खुद को भी कहीं खो दिया था। अगले दिन उसने अपने काम की फिर से शुरुआत की, लेकिन इस बार मन में कोई अहंकार नहीं था।

अब राघव न सिर्फ अपने कारोबार को संभाल रहा था, बल्कि हर छोटे-बड़े से वही इज्जत और स्नेह के साथ पेश आता, जिसे कभी वह भूल बैठा था। उसने सीख लिया था कि बुलंदियों का सुख तभी टिकाऊ होता है, जब इंसान ज़मीन से जुड़े रहे।

अब भले ही उसकी कंपनी पहले जैसी बड़ी न हो, लेकिन उसे इसका मलाल नहीं था। राघव ने समझ लिया था कि सफलता पंखों पर सवार होकर आती है, लेकिन विनम्रता वह नींव है, जो इंसान को कभी गिरने नहीं देती।

सेवानिवृत्त प्रिंसिपल मलोट

मीडिया बनाम डिजिटल मीडिया

विजय गर्ग

मीडिया क्या है ?

जनसंचार में मीडिया से तात्पर्य जनसंचार के उन साधनों से है जो खेल, शिक्षा, मनोरंजन, राजनीति आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित सूचना या समाचार को कम समय में बड़ी आबादी तक पहुँचाने में मदद करते हैं। प्रिंट मीडिया और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया जनसंचार के दो प्रमुख रूप हैं। आइए देखें कि वे एक दूसरे से कैसे भिन्न हैं !

प्रिंट मीडिया क्या है ?

प्रिंट मीडिया सूचना प्रसारित करने के सबसे पुराने साधनों में से एक है। यह विज्ञापन का एक लोकप्रिय रूप है जो समाचार पत्रों, पत्रिकाओं, पुस्तकों, पत्रक, ब्रोशर आदि जैसे भौतिक रूप से मुद्रित मीडिया का उपयोग करता है। प्रिंट मीडिया में लोगों के व्यापक वर्ग तक पहुँचने की क्षमता है। यह लोगों के बीच समाचार, संदेश और सूचना फैलाने के लिए मुद्रण प्रौद्योगिकी और विधियों का उपयोग करता है।

डिजिटल मीडिया क्या है ?

डिजिटल मीडिया से तात्पर्य प्रिंट मीडिया को छोड़कर सूचना साझा करने के सभी साधनों से है, जैसे रेडियो, टेलीविजन, इंटरनेट आदि। यह एक ऐसा मीडिया है जिसे दर्शकों के देखने के लिए इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों पर साझा किया जा सकता है और व्यापक आबादी तक प्रसारित किया जा सकता है।

प्रिंट मीडिया बनाम डिजिटल मीडिया

समय के साथ आगे बढ़ते हुए दुनिया डिजिटल मीडिया को भी उतना ही महत्व दे रही है। लेकिन इसका प्रिंट मीडिया पर क्या असर हो रहा है, या फिर हम जनसंचार की इन दो व्यापक तकनीकों के बीच कैसे संतुलन बना सकते हैं, आइए देखें।

प्रिंट मीडिया के लाभ

विश्वसनीय

प्रिंट मीडिया ज़्यादा भरोसेमंद है क्योंकि एक बार खबर प्रकाशित होने के बाद उसमें बदलाव या उसे हटाया नहीं जा सकता। जबकि डिजिटल मीडिया में हम कंटेंट में बदलाव या उसे हटाया जा सकता है। इसलिए, अखबार और पत्रिकाएँ चलाने वाले लोग खबर या लेख प्रकाशित करते समय ज़्यादा सावधान रहेंगे। इसलिए प्रिंट मीडिया ज़्यादा भरोसेमंद है

पढ़ने का विकल्प

अखबार या पत्रिका का लेख घर या व्यवसाय में टेबल या रैक पर रखा जा सकता है, जिससे आगे चलकर बार-बार प्रचार-प्रसार हो सकता है। ब्रोशर, फ़्लायर्स और अन्य सहायक सामग्री की अक्सर कई बार समीक्षा की जाती है और अन्य संभावित खरीदारों के साथ साझा की जाती है। इसके विपरीत, बैनर विज्ञापनों सहित कई प्रकार के डिजिटल संदेश एक प्रभाव उत्पन्न करने के बाद गायब हो जाते हैं।

डिजिटल डिटॉक्स

आजकल पढ़ाई और काम के कारण कई लोगों को स्क्रीन पर समय बिताना पड़ता है। ऐसे में प्रिंट मीडिया एक ब्रेक और राहत की तरह है। इसके अलावा, आजकल ज़्यादा से ज़्यादा लोग डिजिटल डिटॉक्स का विकल्प चुन रहे हैं। प्रिंट मीडिया उनके लिए बहुत उपयोगी है।

गांवों में प्रिंट मीडिया

फिर भी, भारत के कुछ दूरदराज के इलाकों में इंटरनेट की सीमित पहुंच है। प्रिंट मीडिया उनके लिए दुनिया भर में होने वाली नवीनतम घटनाओं को जानने का एक वरदान है। साथ ही, पत्रिकाओं या अखबारों में छपी खबरों को समझने के लिए, यह अनिवार्य है कि व्यक्ति को पढ़ना आना चाहिए। प्रिंट मीडिया अशिक्षित लोगों के लिए बहुत उपयोगी नहीं लगता है।

डिजिटल मीडिया के लाभ

विस्तृत श्रृंखला

डिजिटल मीडिया में संदेश को बहुत कम समय में कई लोगों तक पहुँचाया जा सकता है। इसके अलावा, यह एक माध्यम में ऑडियो, वीडियो, टेक्स्ट और ग्राफ़िक्स की एक श्रृंखला का उपयोग करता है, जो इसे दुनिया भर में सबसे पसंदीदा माध्यम बनाता है। इसके माध्यम से वितरित की गई सामग्री को भविष्य में उपयोग के लिए रिकॉर्ड या संग्रहीत किया जा सकता है। लाइव प्रोग्रामिंग इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की एक और महत्वपूर्ण विशेषता है, जिसके माध्यम से विभिन्न घटनाओं का वास्तविक समय में प्रसारण संभव है।

पर्यावरण के अनुकूल

डिजिटल होना कचरे को कम करने के सर्वोत्तम तरीकों में से एक है। प्रिंट स्टूडियो में कागज़ की बर्बादी पर्यावरण के लिए एक गंभीर समस्या हो सकती है। प्रिंट-आधारित डिज़ाइन स्टूडियो में, टीम द्वारा साप्ताहिक रूप से उपयोग किए जाने वाले कागज़ के ढेर दो पूरे कमरों में समा सकते हैं। कागज़ का उपयोग संक्षिप्त विवरण प्रिंट करने, टीम के साथ डिज़ाइन विचारों को साझा करने के लिए किया जाता है, इस बर्बादी को डिजिटल सॉफ़्टवेयर और सुविधाओं का अधिक कुशलता से उपयोग करके आसानी से ठीक किया जा सकता है।

प्रिंट मीडिया से सस्ता

स्मार्टफोन उपयोगकर्ताओं की संख्या तेज़ी से बढ़ रही है, और इसलिए कई डिजिटल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म विज्ञापनों के कारण मुफ़्त में सामग्री प्रदान कर रहे हैं। इसलिए, लोग ज़्यादा खर्च किए बिना आसानी से सामग्री पढ़ और देख सकते हैं। साथ ही, डिजिटल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म पुरानी सामग्री से भी राजस्व उत्पन्न कर सकते हैं। इसलिए, उन्हें अधिक राजस्व मिलेगा और इसलिए वे सामग्री की गुणवत्ता में अधिक निवेश कर सकते हैं।

समाचार की प्रामाणिकता

चूंकि कोई भी व्यक्ति डिजिटल मीडिया के लिए

आसानी से कंटेंट तैयार कर सकता है, इसलिए फर्जी खबरें बढ़ रही हैं। नतीजतन, जब तक वे प्रसिद्ध नहीं होते और उनका नाम अच्छा नहीं होता, तब तक डिजिटल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जनता का भरोसा नहीं होता। साथ ही, वे हर छोटी-छोटी बात प्रकाशित करते हैं, इसलिए उनमें बहुत सारी अनावश्यक खबरें होती हैं।

निष्कर्ष

मीडिया के दो रूप

जनसंचार माध्यम के दो रूप, यानी प्रिंट मीडिया और डिजिटल मीडिया, लोगों की आदतों, विश्वासों और दृष्टिकोणों में बदलाव लाने में मददगार साबित होते हैं। यह लोगों को समाज में चल रहे विभिन्न प्रकार के अपराधों और गलत कामों के बारे में जागरूक भी करता है, साथ ही यह लोगों को विभिन्न सरकारी नीतियों और प्रक्रिया में होने वाले बदलावों के बारे में भी अपडेट रहने में मदद करता है।

प्रिंट मीडिया अपूरणीय है

कई ऑनलाइन समाचार वेबसाइटें अधिक उपभोक्ताओं तक पहुँचने और विश्वसनीयता स्थापित करने के लिए अपने प्रिंट संस्करण ला रही हैं। इससे हमें प्रिंट मीडिया के महत्व का एहसास होता है। साथ ही, प्रिंट मीडिया जनता के लिए समाचार का एक पुराना स्रोत रहा है और यह दैनिक दिनचर्या का हिस्सा रहा है। भारत दुनिया में समाचार पत्रों का दूसरा सबसे बड़ा बाजार है।

तथ्यों की जांच

जब भी कोई खबर डिजिटल मीडिया पर प्रकाशित होती है, तो यह व्यक्ति की जिम्मेदारी है कि वह खबर को प्रामाणिक स्रोत से सत्यापित करे और फिर उसे साझा करे। साथ ही, डिजिटल मीडिया पर एक नियामक संस्था होनी चाहिए ताकि जनता को केवल प्रामाणिक खबरें ही उपलब्ध कराई जा सकें।

समाचार पत्र द्वारा किसी घटना के बारे में दी गई विस्तृत जानकारी की तुलना डिजिटल मीडिया द्वारा प्रस्तुत की गई हेडलाइन या रिपोर्ट से नहीं की जा सकती। समाचार पत्रों में किसी विशेष विषय को व्यक्त करने का तरीका टीवी चैनलों में इस्तेमाल किए जाने वाले तरीके की तुलना में अधिक स्पष्ट और समझने योग्य है। यदि आवश्यक हो तो आप किसी लेख को फिर से पढ़ सकते हैं। कभी-कभी, टेलीविजन पर दिखाए जाने वाले विज्ञापन या वेबसाइटों पर क्लिक करने योग्य विज्ञापन परेशान करने वाले होते हैं।

प्रिंट या डिजिटल मीडिया ही नहीं, बल्कि आउटडोर, डायरेक्ट मेल और कई अन्य माध्यमों से घिरे होने के कारण, लोगों से केवल एक को चुनने की उम्मीद नहीं की जा सकती। मीडिया ने दुनिया को छोटा और करीब कर दिया है, जिससे खबरें एक बार में अरबों लोगों तक पहुँच सकती हैं। इसके अलावा, यह वस्तुओं और सेवाओं के प्रचार और विज्ञापन का प्राथमिक तरीका बन गया है। किसी भी मीडिया का मुख्य उद्देश्य जनता तक सूचना पहुँचाना होता है। चाहे वह डिजिटल हो या प्रिंट मीडिया, लोगों को खबरों के बारे में जागरूक होना चाहिए। भारत में, अधिकांश लोग दैनिक जीवन में प्रिंट मीडिया से शुरुआत करते हैं और धीरे-धीरे, जैसे-जैसे दिन बीतते हैं, डिजिटल मीडिया पर स्विच करते हैं। इस प्रकार, प्रिंट मीडिया और डिजिटल मीडिया दोनों एक साथ चलते हैं और हमारे दैनिक जीवन का एक अनिवार्य हिस्सा हैं !

साक्षरता पर सोशल मीडिया का प्रभाव

विजय गर्ग

सोशल मीडिया का साक्षरता पर सकारात्मक और नकारात्मक दोनों प्रभाव पड़ा है। यहां इसके प्रभाव का एक सिंहावलोकन दिया गया है:

सकारात्मक प्रभाव:

1. पढ़ने और लिखने में वृद्धि: सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म लोगों को अधिक नियमित रूप से पढ़ने और लिखने के लिए प्रोत्साहित करते हैं, चाहे पोस्ट, टिप्पणियों या सीधे संदेशों के माध्यम से। पाठ के साथ यह लगातार जुड़ाव लोगों को साक्षरता कौशल का अभ्यास करने में मदद करता है, विशेष रूप से युवा उपयोगकर्ताओं को जो अन्यथा पढ़ने के पारंपरिक रूपों से बच सकते हैं।

2. विविध सामग्री तक पहुंच: सोशल मीडिया समाचार लेखों से लेकर ब्लॉग, कहानियों और चर्चाओं तक सामग्री की एक विस्तृत श्रृंखला तक पहुंच प्रदान करता है। यह प्रदर्शन उपयोगकर्ताओं के पढ़ने के क्षितिज को व्यापक बनाता है और उन्हें विभिन्न लेखन शैलियों और विचारों से परिचित कराता है।

3. डिजिटल साक्षरता कौशल: जैसे-जैसे लोग सोशल मीडिया से जुड़ते हैं, वे आवश्यक डिजिटल साक्षरता कौशल विकसित करते हैं। इनमें ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म पर नेविगेट करना, स्रोतों का मूल्यांकन करना और मीडिया संचार के विभिन्न रूपों को समझना शामिल है, जो आधुनिक डिजिटल परिदृश्य में महत्वपूर्ण हैं।

4. वैश्विक संचार: सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं को विभिन्न संस्कृतियों और भाषाओं के लोगों से जुड़ने की अनुमति देता है, जिससे अंतर-सांस्कृतिक साक्षरता और भाषा सीखने को बढ़ावा मिलता है। उदाहरण के लिए, उपयोगकर्ता वैश्विक दर्शकों के साथ बातचीत के माध्यम से नई भाषाएँ या शब्दावली सीख सकते हैं।

नकारात्मक प्रभाव:

1. अनौपचारिक भाषा का उपयोग: सोशल मीडिया अक्सर अनौपचारिक भाषा, स्लैंग, संक्षिप्ताक्षर और इमोजी के उपयोग को प्रोत्साहित करता है। समय के साथ, यह पारंपरिक लेखन और व्याकरण संबंधी कौशल को नष्ट कर सकता है, खासकर युवा उपयोगकर्ताओं में जो औपचारिक पढ़ने या लिखने की तुलना में ऑनलाइन अधिक समय बिताते हैं।

2. कम ध्यान अवधि: लघु-रूप सामग्री (ट्वीट्स, पोस्ट, मीम्स) की त्वरित खपत उपयोगकर्ताओं की लंबे, अधिक जटिल पाठों से जुड़ने की क्षमता को कम कर सकती है। इस प्रवृत्ति से सरल, कम सूक्ष्म सामग्री को प्राथमिकता दी जा सकती है, जो गहन पढ़ने के कौशल और समझ को प्रभावित करती है।

3. गलत सूचना और खराब गुणवत्ता वाली सामग्री: सोशल मीडिया गलत सूचना और निम्न-गुणवत्ता वाला लेखन भी फैला सकता है, जिससे असत्यापित या खराब लिखित सामग्री की खपत हो सकती है। यदि उपयोगकर्ताओं को गंभीर रूप से स्रोतों का मूल्यांकन करने के लिए प्रशिक्षित नहीं किया जाता है, तो यह जोखिम महत्वपूर्ण पढ़ने और विश्लेषणात्मक कौशल को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकता है।

4. पारंपरिक पढ़ने में गिरावट: कुछ अध्ययनों से पता चलता है कि सोशल मीडिया के बढ़ते उपयोग से किताबें, समाचार पत्र या अकादमिक लेख पढ़ने में गिरावट आ सकती है। गहन, संरचित पढ़ने से छोटे, खंडित पाठों की ओर यह बदलाव साक्षरता विकास को कमजोर कर सकता है।

संक्षेप में, जबकि सोशल मीडिया डिजिटल साक्षरता को बढ़ा सकता है और पढ़ने और लिखने के लिए नए रास्ते प्रदान कर सकता है, यह पारंपरिक साक्षरता मानकों, जैसे व्याकरण पर ध्यान, दीर्घकालिक समझ और सामग्री के महत्वपूर्ण मूल्यांकन के लिए चुनौतियां भी प्रस्तुत करता है।

सेवानिवृत्त प्रिंसिपल शैक्षिक स्तंभकार स्ट्रीट कौर चंद एमएचआर मलोट पंजाब

धनतेरस के मौके पर जारी हो गए पेट्रोल-डीजल के दाम, नोएडा-गुरुग्राम से सस्ता है दिल्ली में फ्यूल

परिवहन विशेष न्यूज

तेल कंपनियों ने धनतेरस के मौके पर पेट्रोल-डीजल के दाम जारी कर दिये हैं। नए अपडेट के अनुसार- आज भी इनकी कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। चूंकि सभी शहरों में इनके दाम अलग हैं। ऐसे में गाड़ीचालक को लेटेस्ट रेट चेक करने के बाद ही टंकी फुल करवानी चाहिए। आइए जानते हैं कि आपके शहर में पेट्रोल-डीजल की कीमत क्या है।

नई दिल्ली। पेट्रोल-डीजल के दाम रोज अपडेट होते हैं। तेल कंपनियों ने हर दिन की तरह 29 अक्टूबर 2024 के लिए भी फ्यूल प्राइस जारी कर दिया है। अगर आप भी आज धनतेरस के मौके पर एक शहर से दूसरे शहर जा रहे हैं तो आपको एक बार लेटेस्ट रेट चेक कर लेना चाहिए।

बता दें कि इस साल मार्च 2024 में आखिरी बार पेट्रोल-डीजल के दाम में बदलाव हुआ था। उसके बाद इनके दाम स्थिर बने हुए हैं। आज भी सभी शहरों में फ्यूल प्राइस जस के तस बने हुए हैं। आइए, जानते हैं कि आज आपके शहर में लेटेस्ट रेट क्या है।

आज क्या है लेटेस्ट रेट

इंडियन ऑयल की ऑफिशियल वेबसाइट के मुताबिक, अलग-अलग शहरों में पेट्रोल-डीजल के दाम (Petrol-Diesel Price 29 October 2024)

मेट्रोसिटी में पेट्रोल-डीजल के दाम

दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल की कीमत 94.72 रुपये और डीजल की कीमत 87.62 रुपये प्रति लीटर है।

मुंबई में पेट्रोल की कीमत 103.44 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 89.97 रुपये प्रति लीटर है।

कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 104.95 रुपये प्रति लीटर और डीजल 91.76 रुपये प्रति लीटर है।

चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.75 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 92.34 रुपये प्रति लीटर है।

अन्य शहरों में पेट्रोल-डीजल के दाम

नोएडाः पेट्रोल 94.83 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.96 रुपये प्रति लीटर

गुरुग्रामः पेट्रोल 95.19 रुपये प्रति लीटर और डीजल 88.05 रुपये प्रति लीटर

बेंगलुरुः पेट्रोल 102.86 रुपये प्रति लीटर और डीजल 88.94 रुपये प्रति लीटर

चंडीगढ़ः पेट्रोल 94.24 रुपये प्रति लीटर और डीजल 82.40 रुपये प्रति लीटर

हैदराबादः पेट्रोल 107.41 रुपये प्रति लीटर और डीजल 95.65 रुपये प्रति लीटर

जयपुरः पेट्रोल 104.88 रुपये प्रति लीटर और डीजल 90.36 रुपये प्रति लीटर

पटनाः पेट्रोल 105.18 रुपये प्रति लीटर और डीजल 92.04 रुपये प्रति लीटर

यह भी पढ़ें : ACME Solar IPO: जल्द शेयर बाजार में उतरेगी एक और पावर कंपनी, निवेशकों के लिए आएगा 3000 करोड़ रुपये का आईपीओ

कैसे चेक करें लेटेस्ट रेट

गाड़ीचालक तेल कंपनियों की ऑफिशियल वेबसाइट पर जाकर लेटेस्ट रेट चेक कर सकते हैं। इसके अलावा इंडियन ऑयल के ऐप पर भी लेटेस्ट रेट अपडेट होते हैं। इन सभी के साथ गाड़ीचालक मैसेज के जरिये भी लेटेस्ट रेट चेक कर सकते हैं। इसके लिए उन्हें 92249 92249 पर पेट्रोल पंप का डीलर कोड लिखकर भेजना होगा। वह इंडियन ऑयल की वेबसाइट से पेट्रोल पंप का डीलर कोड की जानकारी पा सकते हैं।

तीन कंपनियों ने जारी किया दूसरी तिमाही का नतीजा, रिजल्ट के बाद शेयरों पर दिखा असर

परिवहन विशेष न्यूज

कंपनियों द्वारा जारी तिमाही नतीजों का सिलसिला जारी है। आज अदाणी पोर्ट मारुति सुजुकी इंडिया और कैनरा बैंक ने दूसरी तिमाही के नतीजे जारी किये हैं। इन नतीजों के बाद कंपनियों के शेयर पर असर दिखाई दिया। हम आपको इस आर्टिकल में कंपनी के फाइनेंशियल परफॉर्मेंस के साथ शेयरों की कीमत भी बताएंगे।

नई दिल्ली। शेयर बाजार में सीमित कारोबार चल रहा है। इस सीमित कारोबार में कई कंपनियों के शेयर एक्शन में है तो कई शेयरों में गिरावट देखने को मिली। आज बाजार बंद होने से पहले दो कंपनियों और एक बैंक ने चालू कारोबारी साल की दूसरी तिमाही के नतीजे जारी कर दिये। इस नतीजे के बाद कंपनियों के शेयर पर असर देखने को मिला है।

आइए, जानते हैं कि जुलाई से सितंबर तिमाही में इन कंपनियों और बैंकों का परफॉर्मेंस कैसा रहा। इसी के साथ कंपनियों के शेयरों का क्या हाल है?

अदाणी पोर्ट की कैसी है फाइनेंशियल परफॉर्मेंस

अदाणी पोर्ट ने बताया कि दूसरी तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 37 फीसदी बढ़कर 2,413.54 करोड़ रुपये हो गया। यह पिछले साल की सितंबर तिमाही में 1,762 करोड़ रुपये थी। रेगुलेटर फाइलिंग के अनुसार सितंबर तिमाही में कंपनी की कुल इनकम 7,372.37 करोड़ रुपये रही, जो पिछले साल की दूसरी तिमाही में 6,951.86 करोड़ रुपये थी। कंपनी के अनुसार रेवेन्यू में हुई बढ़त के कारण कंपनी के मुनाफे में वृद्धि हुई है।

आज अदाणी पोर्ट के शेयर 1.83 फीसदी की बढ़त के साथ 1,377 रुपये प्रति शेयर पर बंद हुआ है।

मारुति सुजुकी इंडिया का तिमाही नतीजा

मारुति सुजुकी इंडिया ने तिमाही नतीजों का एलान करते हुए बताया कि दूसरी तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 18 फीसदी घटकर 3,102 करोड़ रुपये हो गया है। जबकि, पिछले साल की इसी तिमाही में कंपनी का कुल मुनाफा 3,786 करोड़ रुपये था। वहीं, देश की सबसे बड़ी कारमेकर कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया ने कहा कि पिछले साल की दूसरी तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू 37,339 करोड़ रुपये था, जो इस साल की दूसरी तिमाही में बढ़कर 37,449 करोड़ रुपये हो गया।

आज मारुति सुजुकि इंडिया के शेयर (Maruti Suzuki India Share) 4.16 फीसदी गिरकर 11,005 रुपये प्रति शेयर पर बंद हुए।

कैनरा बैंक ने जारी किया तिमाही नतीजा

राज्य के स्वामित्व वाले कैनरा बैंक (Canara Bank) ने बताया कि सितंबर तिमाही में उसके नेट प्रॉफिट में 11 फीसदी की बढ़त के साथ 4,015 करोड़ रुपये रहा। पिछले साल की इसी तिमाही में बैंक का कुल मुनाफा 3,606 करोड़ रुपये था। कैनरा बैंक का कुल इनकम जुलाई से सितंबर तिमाही में 34,721 करोड़ रुपये हो गया जो पिछले साल की समान तिमाही में 31,472 करोड़ रुपये था। इस तिमाही बैंक का इंटरेस्ट इनकम 29,740 करोड़ रुपये था। बैंक का ग्रॉस लोन का एनपीए 3.73 फीसदी रहा और बैड लोन का एनपीए 1.41 फीसदी रहा।

आज कैनरा बैंक के शेयर (Canara Bank Share) 2.81 फीसदी की तेजी के साथ 103.52 रुपये प्रति शेयर पर बंद हुआ।

जियो फाइनेंस की स्मार्टगोल्ड योजना लॉन्च, मात्र 10 रुपये में खरीद सकते हैं डिजिटल सोना

परिवहन विशेष न्यूज

आज धनतेरस के मौके पर जियो फाइनेंस सर्विसेज लिमिटेड ने स्मार्टगोल्ड योजना लॉन्च किया है। इस योजना में डिजिटल गोल्ड के साथ फिजिकल गोल्ड खरीदा जा सकता है। इस स्कीम में 10 रुपये में भी सोना खरीदा जा सकता है। फिजिकल गोल्ड की 0.5 ग्राम और उससे अधिक की होल्डिंग पर ही डिलीवरी होगी। पढ़ें पूरी खबर

नई दिल्ली। दिवाली से पहले धनतेरस के मौके पर जियो फाइनेंस सर्विसेज लिमिटेड ने स्मार्टगोल्ड योजना लॉन्च की है। स्मार्टगोल्ड योजना में डिजिटल सोने की खरीद के साथ सोने में किए गए निवेश को भुनाया भी जा सकता है।

सोने में किए गए निवेश से मिली स्मार्टगोल्ड युनिट किसी भी वक्त नकद, सोने के सिक्कों या आभूषणों में बदला जा सकता है। दिलचस्प यह है कि स्मार्टगोल्ड में हजारों या लाखों रुपये के निवेश की जरूरत नहीं है, मात्र 10 रुपये में भी सोना खरीदा जा सकता है।

कैसे खरीदे गोल्ड

जियो फाइनेंस ऐप (Jio Finance App) पर स्मार्टगोल्ड योजना में सोने में निवेश के दो विकल्प ग्राहक के पास उपलब्ध हैं। पहला वह निवेश की कुल राशि तय कर सकता है, दूसरा वह सोने के भार यानी ग्राम में निवेश कर सकता है।

भौतिक सोने (Physical Gold) की डिलीवरी 0.5 ग्राम और उससे अधिक की होल्डिंग पर ही होगी। यह 0.5 ग्राम, 1 ग्राम, 2 ग्राम, 5 ग्राम और 10 ग्राम के मूल्यवर्ग में उपलब्ध होगी। ग्राहक चाहे तो ऐप पर सीधा सोने के सिक्के खरीद कर होम डिलिवरी की सुविधा का लाभ भी उठा सकता है।

ग्राहक का सोना सुरक्षित रखने के लिए, निवेश के बाद स्मार्टगोल्ड (Smartgold) में निवेश के बराबर 24 कैरेट का सोना खरीदा जाएगा और उसे एक इंश्योर्ड वॉल्ट (Insured Walt) यानी तिजोरी में रखा जाएगा।

इससे सोने की संभाल से तो मुक्ति मिलेगी ही, चोरी-चकारी का डर भी नहीं सताएगा। जियो फाइनेंस ऐप पर जब चाहें तब सोने की लाइव मार्किट कीमतें देखी जा सकती हैं। स्मार्टगोल्ड दरअसल डिजिटल सोना खरीदने का एक सुविधाजनक, सुरक्षित और सहज तरीका है।

आपका मोबाइल बनेगा टेस्टिंग डिवाइस, आसानी से हो जाएगा नकली सोना-चांदी की पहचान

धनतेरस का त्योहार मनाया जा रहा है। इस दिन सोना-चांदी खरीदना शुभ माना जाता है। सोने-चांदी की खरीदारी में तेजी आने के कारण कई लोग इस मौके पर नकली गोल्ड बेच देते हैं। हम आपको इस आर्टिकल में बताएंगे कि आप अपने मोबाइल फोन के जरिये कैसे गोल्ट की प्योरिटी चेक कर सकते हैं।

नई दिल्ली। फेस्टिवल सीजन के बाद वेडिंग सीजन आ जाएगा। इन सीजन में गोल्ड-सिल्वर की डिमांड ज्यादा हो जाती है। आज धनतेरस का त्योहार मनाया जा रहा है। इस दिन सोना-चांदी खरदीना शुभ माना जाता है। आज कई ज्वैलर्स शॉप पर आपको भीड़ देखने को मिलेगी। इस भीड़ का मौका उठाकर कई सुनार नकली सोना-चांदी बेच रहे है। इस तरह की धोखाधड़ी से बचना बेहद जरूरी है।

अगर आपको ज्वैलरी की प्योरिटी को लेकर कोई संदेह है तो आपको शुद्धता की जांच अवश्य करवाना चाहिए। आप अपने मोबाइल फोन से भी इसकी प्योरिटी चेक करवा सकते हैं।

मोबाइल से कैसे करें चेक

आपको अपने स्मार्ट मोबाइल फोन में BIS का ऐप इंस्टॉल करना है। इसके बाद इस ऐप में एक्यूआईडी (AQUID) नंबर दर्ज करना है। यह नंबर आपके ज्वैलरी पर लिखा होता है। नंबर दर्ज करने के बाद सबमिट करें और फिर आपको रिजल्ट में पता चल जाएगा कि जो ज्वैलरी है वो असली है या नकली। BIS एक सरकारी संस्थान है। इसके ऑफिशिल वेबसाइट (www.bis.gov.in) पर आपको हॉलमार्किंग से जुड़ी सभी डिटेल्स आसानी से मिल जाएगी।

कितने तरीके से होती हैं सोने की जांच

किसी भी गोल्ड ज्वैलरी की जांच दो तरीके से होती है। एक स्किन टेस्ट होता है और दूसरा मेल्ट टेस्ट होता है। अगर आपके पास 22 कैरेट की गोल्ड ज्वैलरी है तो उसके स्किन और टांके दोनों में 91.6 फीसदी प्योर गोल्ड होगा। अगर इन दोनों के बीच में कोई अंतर होता है तो इसका मतलब है कि सोने में मिलावट किया गया है।

नकली पाया सोना

अगर कभी भी कोई गोल्ड ज्वैलरी नकली पाई जाती है तो कस्टमर मुआवजे के लिए क्लेम कर सकता है। BIS के नियमों के मुताबिक शुद्धता में कोई कमी आने पर ज्वैलर्स को गहनों की कीमत का दोगुना अमाउंट और साथ ही टेस्ट चार्ज भी देना होता है।

खरीदारी वक्त रखें ध्यान

आप जब भी गोल्ड ज्वैलरी खरीदने जाएं तो उसकी प्योरिटी का अवश्य ध्यान रखें। इसके अलावा आपको यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि आपको सही कीमत पर ज्वैलरी मिल रही है। कई बार ज्वैलर्स ज्यादा कीमत या फिर चार्ज लगाकर ज्यादा पैसे ले लेते हैं।

पीएम मोदी का बुजुर्गों को दीवाली तोहफा, 70+ वाले वृद्धजनों को मिलेगा आयुष्मान योजना का लाभ

परिवहन विशेष न्यूज

पीएम मोदी 70 साल से ज्यादा आयु वाले नागरिकों के लिए आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (AB-PMJAY) की शुरुआत कर दिया। पीएम मोदी ने सीनियर सिटीजन को आयुष्मान वय वंदन कार्ड सौंपा। इस शुरुआत के साथ सभी वृद्धजन को योजना का लाभ मिलेगी चाहे उनकी आय कितनी भी हो। इसी के साथ आज U-win पोर्टल भी शुरू हो गया। पढ़ें पूरी खबर...

नई दिल्ली। आज धनतेरस और आयुर्वेद दिवस के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सीनियर सिटिजन को सौगात दी। आज दिल्ली के ऑल इंडिया इंस्टिट्यूट ऑफ आयुर्वेद में आयोजित एक कार्यक्रम में पीएम मोदी ने सीनियर सिटीजन को आयुष्मान वय वंदन कार्ड सौंपा। इस मौके पर पीएम मोदी (PM Modi) ने 70 साल से ज्यादा आयु वाले नागरिकों के लिए आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (AB-PMJAY) शुरू किया। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी ने12850 करोड़ रुपये की कई हेल्थ प्रोजेक्ट का शिलान्यास और उद्घाटन किया।

सभी वृद्धजन को होगा लाभ

इस योजना का लाभ सभी वृद्धजन को मिलेगा, चाहें वह गरीब, मध्यम वर्गीय या फि अमीर हो सभी आयुष्मान कार्ड के लिए पात्र माने जाएंगे। इसका मतलब है कि आयुष्मान भारत योजना में सीनियर सिटिजन के लिए आय लिमिट खत्म हो गई। हालांकि, बाकी नागरिकों के लिए आय लिमिट अभी भी जारी है। योजना के लाभार्थी PMJAY के तहत 29,000 से ज्यादा लिस्टेड अस्पताल में 5 लाख रुपये तक का फ्री इलाज करवा सकते हैं।

देश के 33 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में यह योजना लागू है। केवल दिल्ली, ओडिशा और पश्चिम बंगाल के निवासी को इस योजना का लाभ नहीं मिलता है।

कैसे करें आवेदन

जन आरोग्य योजना के अधिकारिक वेबसाइट (https://beneficiary.nha.gov.in/) पर जाएं।

अब पर्सनल डिटेल्स देने के बाद सबमिट करें।

इसके बाद फैमिली डिटेल्स में जाकर अप्लाई को सेलेक्ट करें।

अब एप्लीकेशन फॉर्म को भरे और डॉक्यूमेंट्स अपलोड करें।

इसके ओटीपी वैलिडेशन करें और फॉर्म सबमिट करें।

अंत में आप आयुष्मान कार्ड को डाउनलोड कर सकते हैं।

कौन-कौन सी बीमारी होती है कवर

आयुष्मान भारत योजना (Ayushman Bharat Yojana) के लाभार्थी कई बीमारियों का फ्री में इलाज करवा सकते हैं। आयुष्मान भारत योजना की वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार कैंसर, हार्ट डिजीज, किडनी से जुड़ी बीमारियां, कोरोना, मोतियाबिंद, डेंगू, चिकुनगुनिया, मलेरिया, घुटना और कूल्हा प्रत्यारोपण आदि जैसी गंभीर बीमारियों का भी इलाज फ्री में होता है।

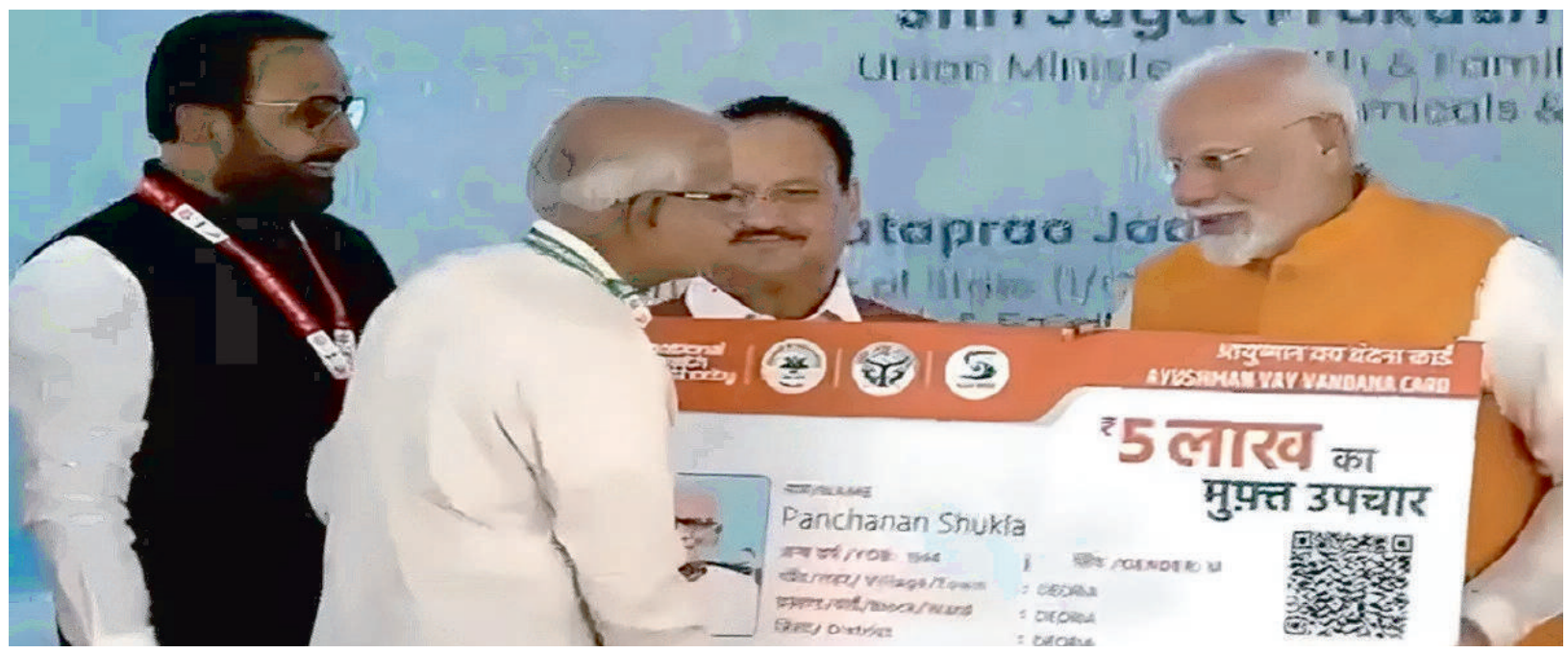

हाल में जारी अधिसूचना के अनुसार सरकार ने प्राइवेट अस्पताल से कई ट्रीटमेंट जैसे- मोतियाबिंद, सर्जिकल डिलीवरी, और मलेरिया आदि को हटा दिया है। इन सभी बीमारियों का इलाज सरकारी अस्पतालों में फ्री में हो सकता है। इस योजना में बीमारियों के साथ प्रोस्टेट कैंसर, डबल वॉल्व रिप्लेसमेंट, कोरोनरी आर्टरी बाइपास, पल्मोनरी वॉल्व रिप्लेसमेंट, नी और हिप रिप्लेसमेंट, स्कल बेस सर्जरी, टिश्यू एक्सपेंडर, पीडियाट्रिक सर्जरी, रेडिएशन ओंकोलॉजी, न्यूरोसर्जरी, एंजियोप्लास्टी विद स्टेंट जैसी सर्जरी भी फ्री में करवाया जा सकता है। यह सर्जरी सरकारी अस्पतालों के साथ प्राइवेट अस्पतालों में करवाया जा सकता है।

U-win भी पोर्टल होगा लॉन्च

आज पीएम मोदी यू-विन पोर्टल शुरू करेंगे। इस पोर्टल में टीकाकरण की इलेक्ट्रॉनिक रजिस्ट्री की जाएगी। इस पोर्टल में गर्भवती महिलाओं और बच्चों की वैक्सीन की रजिस्ट्री की जाएगी ताकि डिजिटल रिकॉर्ड रखा जा सके।

देश के पहले 'आयरनमैन' सांसद बने तेजस्वी सूर्या, साढ़े 8 घंटे में 113km दूरी नापी; पीएम मोदी ने भी की तारीफ

भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने आयरनमैन 70.3 ट्रायथलान चैलेंज पूरा कर इतिहास रचा है। वह यह उपलब्धि हासिल करने वाले देश के पहले सांसद बन गए हैं। गोवा में आयोजित 70.3 ट्रायथलान चैलेंज में 1.9 किमी की तैराकी 90 किमी साइकिलिंग और 21.1 किमी की दौड़ शामिल है। तेजस्वी ने ये तीनों सेगमेंट 8 घंटे 27 मिनट और 32 सेकेंड में पूरे किए। जिसकी कुल दूरी 113 किमी है।

पणजी : भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने आयरनमैन 70.3 ट्रायथलान चैलेंज पूरा कर इतिहास रचा है। वह यह उपलब्धि हासिल करने वाले देश के पहले सांसद बन गए हैं। गोवा में आयोजित 70.3 ट्रायथलान चैलेंज में 1.9 किमी की तैराकी, 90 किमी साइकिलिंग और 21.1 किमी की दौड़ शामिल है। तेजस्वी ने ये तीनों सेगमेंट 8 घंटे, 27 मिनट और 32 सेकेंड में पूरे किए। जिसकी कुल दूरी 113 किमी है।

इस चैलेंज में दुनियाभर से 1200 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस उपलब्धि के लिए सूर्या को बधाई दी है। प्रधानमंत्री ने एक्स पर पोस्ट किया, सराहनीय उपलब्धि! मुझे यकीन है कि यह कई युवाओं को फिटनेस संबंधित गतिविधियों के लिए प्रेरित करेगा।सूर्या ने 1.9 किमी की तैराकी 57:24 मिनट में पूरी की। 4:06:41 घंटे में 90 किमी साइकिल चलाया। उन्होंने हाफ मैराथन 2:56:30 घंटे में पूरी की।

'मैंने अपनी फिटनेस में सुधार करने के लिए ट्रेनिंग की'

इससे पहले, 2022 में सूर्या रिले टीम का हिस्सा रहते हुए 90 किमी साइकिलिंग सेगमेंट पूरा कर चुके हैं। सूर्या ने एक्स पर पोस्ट किया, पिछले चार महीनों में, मैंने अपनी फिटनेस में सुधार करने के लिए ट्रेनिंग की है। यह बताते हुए खुशी हो रही है कि मैंने यह चुनौती पूरी कर ली है!

सूर्या ने चैलेंज पूरा करने के लिए प्रेरणा का श्रेय फिट इंडिया मूवमेंट को दिया। उन्होंने युवाओं से फिटनेस गतिविधि और स्वस्थ जीवन शैली अपनाने का आग्रह किया। फिट इंडिया मूवमेंट को पीएम मोदी ने फिटनेस को दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बनाने के उद्देश्य से शुरू किया था

आरम्भ हो रहे पंच दिवसीय दीप पर्व महोत्सव की आप सभी स्वजनों को अनंत हार्दिक शुभकामनायें

1 धनतेरस= समुद्र मंथन से आयुर्वेद अमृत कलश लिये प्रकट हुये चौदहवें रत्न भगवान धनवंतरी आपको, आपके पूरे परिवार को उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु व उत्कृष्ट रोग-प्रतिरोधक क्षमता प्रदान करें-

2 रूप चतुर्दशी= आप को व आपके परिवार को अप्रतिम सौंदर्य व रूप यौवन प्रदान करें -

3 दीपावली= देवी लक्ष्मी आप पर इतनी प्रसन्न हो कि आप के घर को धन धान्य से परिपूर्ण कर आप के पास ही स्थाई वास करे-

4 गोवर्धन= आप के सम्पूर्ण खेत-खलिहान, यानी आय के स्त्रोत इतने फलें-फूलें कि आपकी अनन्त पीढ़ियों तक किसी भी वस्तु का अभाव न हो'

5 भैया दूज= भाई बहन में अटूट प्रेम दे,बहन कभी अपने आप को असहज महसूस न करे और बहन द्वारा भाई के माथे पर लगाया गया तिलक स्वर्णिम पुष्प की तरह हमेशा महकता रहे-

यह पांच दिवसीय दीप महोत्सव आप सभी परिजनों एवं आपके निकट संबंधियों को उत्तम स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि, आत्मसंतोष, शांति, स्फूर्ति और ऊर्जा दायक हो सभी का कल्याण हो ऐसी अनंत मंगलकामना।

अपील - शुभ: दीपावली पर वोकल फॉर लोकल का संकल्प लें : वरिष्ठ समाजसेवी मुशरफ खान

आगरा,संजय साग़र सिंह। दीपावली का पर्व हमें एकजुटता और प्रेम का संदेश देता है। इस अवसर पर, वरिष्ठ समाजसेवी मुशरफ खान ने सभी से अपील की है कि हम स्वोकल फॉर लोकलस का भाव अपने मन में रखें। अपने स्थानीय व्यापारियों एवं कारीगरों, जैसे दीया-बाती बनाने वाले, साफ-सफाई और श्रृंगार की सामग्री बनाने वाले,

को प्रोत्साहित करना बहुत आवश्यक है। उनका योगदान हमारी संस्कृति और उत्सवों को समृद्ध करता है। आइए, इस दीपावली हम सभी मिलकर अपने स्थानीय उत्पादों को प्राथमिकता दें और अपने व्यापारियों एवं कारीगरों के साथ खड़े रहें। इससे न केवल उनके जीवन में खुशहाली आएगी, बल्कि हमारी अर्थव्यवस्था भी मजबूत होगी। आप सभी को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं!

सरकारी अधिकारियों ने भ्रष्टाचार मुक्त ओडिशा बनाने की शपथ ली

मनोरंजन सासमल , स्टेट हेड ओड़िशा

भुबनेश्वर : सरकार ने भ्रष्टाचार मुक्त राज्य बनाने की दिशा में तत्परता दिखायी है। भ्रष्टाचार मुक्त राज्य के निर्माण के लिए भ्रष्टाचार विरोधी जागरूकता सप्ताह 2024 शुरू हो गया है। मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी ने लोक सेवा भवन में राज्य कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों को कर्तव्यनिष्ठा की शपथ दिलाई है।मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी शामिल हुए और कहा कि सरकार जीरो टॉलरेंस नीति के लिए प्रतिबद्ध है। राज्य में बीजेपी सरकार को सत्ता में आए 140 दिन हो गए हैं। भ्रष्टाचार के आरोप में 6 प्रमुख खिलाड़ियों को गिरफ्तार कर अदालत में भेज दिया गया है।

6 मुख्यजन्त्री के पास से 233 प्लॉट, 32 बिल्डिंग, करीब 6 किलो सोना, 10 करोड़ बैंक डिपॉजिट और 21 लाख कैश जब्त किया गया है। अभी सिर्फ ट्रेलर आया है, अभी बहुत कुछ आना बाकी है। भ्रष्ट अधिकारियों के मन में हमेशा डर बना रहेगा। मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी ने कहा कि इस सरकार मे कभी भी किसी को बांधा जा सकता है, इसे हमेशा याद रखा जायेगा।

इस वर्ष भ्रष्टाचार विरोधी जागरूकता सप्ताह 28 अक्टूबर से शुरू होकर 3 नवंबर तक चलेगा। राष्ट्र की समृद्धि के लिए अखंडता की संस्कृति के आधार पर मनाया जा रहा है।

विमानों को बम से उड़ाने की धमकी देने वाले का हुआ खुलासा, आतंकवाद पर लिख रहा था किताब

विमानों को बम से उड़ाने की झूठी धमकी देने वाले की पहचान हो गई है। पिछले 16 दिनों में भारतीय विमान कंपनियों की 510 से अधिक राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को ऐसी धमकियां मिल चुकी हैं। अधिकांश धमकियां इंटरनेट मीडिया के जरिये मिली हैं। इस प्रकार की धमकियों के चलते दहशत फैली उड़ानों में देरी हुई और हवाई अड्डों तथा अन्य प्रतिष्ठानों पर सुरक्षा बढ़ानी पड़ी।

नागपुर। एयरलाइनों के विमानों को बम से उड़ाने की झूठी धमकी देने वाले की पहचान नागपुर पुलिस ने राज्य के गोंदिया निवासी 35 वर्षीय जगदीश उइके के रूप में की है। आरोपित आतंकवाद पर एक किताब भी लिख चुका है। फिलहाल धमकी भरे ईमेल का उइके से संबंध होने का पता चलने के बाद से वह फरार है।

पता चलने के बाद से आरोपी फरार

नागपुर के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि धमकी भरे ईमेल का उइके से संबंध होने का पता चलने के बाद से आरोपित फरार है। उसकी गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम का गठन किया गया है। उसे जल्द पकड़ लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि उइके को एक मामले में 2021 में गिरफ्तार किया गया था। पुलिस उपायुक्त श्वेता खेडकर के नेतृत्व में की गई जांच में उइके के ईमेल से जुड़ी विस्तृत जानकारी सामने आई।

कहां-कहां भेजे फर्जी ई-मेल

अधिकारी ने बताया कि उइके ने प्रधानमंत्री कार्यालय, रेल मंत्री, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, एयरलाइन कंपनियों के कार्यालयों, पुलिस महानिदेशक और रेलवे सुरक्षा बल सहित विभिन्न सरकारी संस्थाओं को धमकी भरे ईमेल भेजे।

गुप्त आतंकी कोड

सोमवार को नागपुर पुलिस ने उपमुख्यमंत्री और गृह मंत्री देवेंद्र फडणवीस के नागपुर स्थित आवास के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी थी क्योंकि उइके ने एक ईमेल भेजा था जिसमें धमकी दी गई थी कि अगर उसे गुप्त आतंकी कोड के बारे में जानकारी देने का मौका नहीं दिया गया तो वह इसके विरोध में कदम उठाएगा।

रेलवे स्टेशनों पर सुरक्षा

उन्होंने कहा कि उइके ने आतंकी खतरों के बारे में अपनी जानकारी पर चर्चा करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मिलने का भी अनुरोध किया। अधिकारी ने बताया कि उइके द्वारा 21 अक्टूबर को रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को भेजे गए ईमेल तथा डीजीपी और आरपीएफ को भेजे गए ईमेल के आधार पर रेलवे स्टेशनों पर सुरक्षा उपाय किए गए।

100 और विमानों को बम से उड़ाने की धमकी

विमानों को बम से उड़ाने की धमकी देने का सिलसिला लगातार जारी है। मंगलवार को फिर 100 विमानों को बम से उड़ाने की धमकी मिली। सूत्रों ने बताया कि एअर इंडिया की करीब 36, इंडिगो की 35 और विस्तारा की 32 फ्लाइटों को धमकी मिली। धमकियां मिलने के बाद कुछ उड़ानों को डायवर्ट किया गया और अन्य फ्लाइटों को लैंडिंग के बाद आइसोलेशन-बे में ले जाकर सघन तलाशी ली गई। जांच एजेंसियों और एयरपोर्ट टीमों की छानबीन के बाद ये धमकियां फर्जी पाई गईं। हालांकि जांच के चलते ये फ्लाइटें देरी से अपने गंतव्य की ओर रवाना हुईं। उधर, मुंबई पुलिस ने मंगलवार को तीन एयरलाइनों को बम की धमकी मिलने के संबंध में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

नव दीप जलाओ...।

'नव दीप जलाओ,
त्योहारों की खुशियों में सब शामिल हो जाओ
यह उल्लास, उमंगता जीवन में अनमोल होती है,
आओ नव दीप जलाओ।

संसार के चक्रव्यूह में घिरते हुए,
क्यों तुम अपनी संस्कृति से दूर हो रहे हो ?
कुछ रोशनी का उत्सव मनाओ,
आओ नव दीप जलाओ।

प्रेरणा विरासत से मिली है जो हमको,
उसको सहेजकर आगे बढ़ते जाओ
यह दीपावली है, कुछ अनार-चकरी-फुलझड़ी जलाओ,
आओ नव दीप जलाओ।

चारों और अन्धकार फैला हुआ है,
ऐसे में तुम रोशनी के लिए
जरा आगे आओ,
आओ नव दीप जलाओ।

आज त्योहार की मस्ती में,
फिर बच्चे बन जाओ।
एक-दूसरे को मिठाई खिलाओ, गले लगाओ,
आओ नव दीप जलाओ ॥

लेखक हरिहर सिंह चौहान इन्दौर

पूरा विश्व दीपावली की रोशनी व दियों क़ी जगमगाहट से सराबोर होगा

दीपावली पर्व पर अमेरिका सिंगापुर मॉरीशस मलेशिया सहित अनेक देशों में सरकारी छुट्टी घोषित है,जो इसपर्व को भव्यता प्रदान करती है

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर दुनियाँ में भारत एक ऐसाअकेला देश है जो सदियों से अपनी रीति रिवाजो, मान्यताओं अपने पूर्वजों की संस्कृतियों से चलने वाला देश है।हालांकि दुनियां में भारत ही एक अकेला ऐसा देश है, जहां हजारों, लाखों जाति समाज धर्म समुदाय सेसारोबार हैं, जहां एकता में अनेकता का भाव है।यही कारण है कि हर धर्म समाज जाति समुदाय के मानुषी जीव अपनेअपने धर्म समुदायों के त्यौहार बड़े धूमधाम से मनाते हैं, परंतु इतिहास में सदियों से चल रहा एक पर्व दीपावली को मनाने का अगर हम अध्ययन करेंगे तो सभी धर्मो जातियों समुदायों के लोग इस पर्व को धूमधामसे मनाते हैं,हालांकि कुछ अपवाद से इनकार नहीं किया जा सकता फिर भी बड़ी मात्रा में यह पर्व सभी मिलकर मनाते हैं, जो इस वर्ष 31 अक्टूबर 2024 को है।परंतु इसका आगाज़ 29अक्टूबर 2024 को धनतेरस के दिन से 5 दिन क़े उत्सव के रूप में हो गया है, जिसका इंतजार लोग लंबे समय से कर रहे थे। धनतेरस, पहले दिन का उत्सव मनाया गया इस दिन खरीदी करना शुभ माना जाता है जिसमें लोग भीड़ के रूप में उमड़ पड़े जो कि शुभ मुहूर्त में खरीदी किए। इस दिन मां लक्ष्मी,भगवान धन्वंतरि और कुबेर देव की पूजा की गई व घर में 5 दिन के लिए दिए जलाने का शुभ क्रम शुरू हो गया, इसके माध्यम से सुख समृद्धि को अपने घर में न्योता दिया जाता है। कहा जाता है कि धनतेरस के दिन लक्ष्मी भगवान धन्वंतरि और कुबेर देव की पूजा करने से साल भर घर में धन की वर्षा होती है। धनतेरस के दिन हर किसी के जीवन में कई अनेक खुशियां और समृद्धि लेकर आता है,जो लोगों ने श्रद्धा के साथ किए।कहते हैं यह आस्था भारत में ही अधिक है पाश्चात्य देश इससे अछूते हैं। परंतु बता दें दीपावली एक ऐसा पर्व है जो पूरे विश्व के हर देश में मनाया जाता है अमेरिका ऑस्ट्रेलिया इंग्लैंड जैसे विकसित देशों से लेकर सिंगापुर मॉरीशस मलेशिया श्रीलंका शहर अनेक देशों में मनाया जाता है। अमेरिका में टाइम्स स्क्वायर पर 20 अक्टूबर 2024 को दिवाली पर्व बड़े धूमधाम से मनाया गया तो दिनांक 28 अक्टूबर 2024 को व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति जो बिडेन और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस की उपस्थिति में दीए जलाकर दीपावली मनाई गई जिसकी शुरुआत जो बायडेन द्वारा 2021 से की गई थी जो अब प्रतिवर्ष मनाया जाता है, जिसकी चर्चा हम नीचे पर में करेंगे। पूरी दुनियाँ दीपावली की रोशनी दियों की जगमगाहट से सराबोर होगा,इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,पूरी दुनियाँ में बसे मूल भारतीय दियों की जगमगाहट व आतिशबाजी कर भारतमय में सराबोर होते हैं।साथियों बात अगर हम 28 अक्टूबर 2024 को अमेरिका के वॉशिंगटन डीसी में स्थित व्हाइट हाउस में दीपावली मनाने की करें तो,भारत में इस साल कई लोगों को दिवाली की तारीख को लेकर कंफ्यूजन है लेकिन बता दें कि इस वर्ष दीपावली का पर्व 31 अक्टूबर 2024 को मनायाजा रहा है।प्रतिष्ठित विद्वानों, ज्योतिषाचार्यों और धर्मशास्त्राचार्यों ने ज्योतिषीय गणनाओं के आधार पर यह फैसला लिया है ऐसा मीडिया में आया है।अमेरिका के मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडेन को दिवाली का त्योहार कितना पसंद है, ये दुनिया देख चुकी है। हर साल वो दिवाली का त्योहार बड़े धूमधाम से मनाते हैं। इस बार भी आज यांने सोमवार को राष्ट्रपति बाइडेन व्हाइट हाउस में देशभर से बड़ी संख्या में आए भारतीय अमेरिकियों के साथ दिवाली मनाई।पिछले वर्षों की परंपरा को जारी रखते हुए, राष्ट्रपति अपनी स्पीच से पहले ब्लू रूम में दीया जलाए,इसके बाद वह भारतीय अमेरिकियों के एक ग्रुप को संबोधित किए ,जिनके लिए वह एक रिसेप्शन आयोजित किए।पिछले साल भी उन्होंने दिया जलाकर दिवाली की बधाई सभी को दी थी, यह आखिरी मौका होगा जब वो व्हाइट हाउस में दिवाली मनाएंगे क्योंकि उन्होंने खुद को राष्ट्रपति पद की रेस से इस बार बाहर कर लिया है। राष्ट्रपति पद के लिए मुकाबला अब पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और कमला हैरिस के बीच है जो चुनाव 5 नवंबर 2024 को होगा।राष्ट्रपति के भाषण के दौरान लोगों को अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा की प्रतिष्ठित अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स का एक वीडियो संदेश भी सुनाया। कार्यक्रम में शास्त्रीय दक्षिण एशियाई नृत्य और संगीत समूह नूताना और मरीन कॉर्प्स बैंड मेहमानों का मनोरंजन किया।

साथियों बात अगर हम अमेरिका न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर पर 20 अक्टूबर 2024 कोदीपावली मनाने की करें तो, मूल भारतीयों नें टाइम्स स्क्वायर पर दिखा दिवाली का जश्न,भारतवंशियों संग नजर आए अमेरिकी दोस्त,इस कार्यक्रम में अलग अलग सांस्कृतिक समुदाय के लोगों ने अपनी-2 परफॉर्मेंस दी,इस

दौरान मेयर एरिक एडम्स, न्यूयॉर्क राज्य विधानसभा सदस्य जेनिफर राजकुमार, सीनेटर चक शूमर और न्यूयॉर्क में भारत की बिनया प्रधान वहां मौजूद थीं। राजकुमार ने पूरे अमेरिका में दिवाली के दिन स्कूलों में छुट्टी दिलाने में अहम भूमिका निभाई है।इस कार्यक्रम के बाद मेयर एडम्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कुछ तस्वीरें साझा की।पोस्ट में उन्होंने लिखा आज टाइम्स स्क्वायर पर वार्षिकदिवाली समारोह के लिए अपने हिंदू भाइयों और बहनों के साथ होने पर गर्व है, क्योंकि हम अंधेरे को दूर भगा रहे हैं और अपने पूरे शहर में रोशनी का स्वागत कर रहे हैं,पोस्ट में उन्होंने लिखाआज टाइम्स स्क्वायर पर वार्षिक दिवाली समारोह के लिए अपने हिंदू भाइयों और बहनों के साथ होने पर गर्व है, क्योंकि हम अंधेरे को दूर भगा रहे हैं और अपने पूरे शहर में रोशनी का स्वागत कर रहे हैं।टाइम्स स्क्वायर पर दिवाली की संस्थापक नीता भसीन ने भी समारोह के दौरान अहम भूमिका निभाई। उत्सव का समापन दीये जलाने के औपचारिक समारोह के साथ हुआ।बताया जाता है कि न्यूयॉर्क में साल 2013 से दिवाली मनाई जाती रही है।पिछले साल न्यूयॉर्क शहर में दिवाली को आधिकारिक तौर पर स्कूल की छुट्टी के रूप में भी मान्यता दी गई थी।मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका में लगभग 4.4 मिलियन भारतीय मूल के लोग रहते हैं, जिनमें से भारतीय मूल के लोग अमेरिका में तीसरा सबसे बड़ा एशियाई जातीय समूह हैं।

साथियों बात अगर हम भारत अमेरिका सहित पूरी दुनियाँ में दीपावली महोत्सव मनाने की करें तो,कई अन्य देशों में भी इस त्योहार का उतना ही महत्व है? नेपाल, बाली, सिंगापुर समेत कई देशों में दिवाली पर खूब रौनक रहती है।अमेरिका के कुछ स्टेट्स में भी दिवाली की सरकारी छुट्टी रहती है। इससे हम समझ सकते हैं कि सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि अमेरिका व अन्य कई देशों में भी दिवाली की छुट्टी रही।अमेरिका में बड़ी संख्या में भारतीय रहते हैं।अमेरिका के राष्ट्रपति दिवाली के खास अवसर पर व्हाइट हाउस में दीप भी प्रज्वलित करते हैं। इस बार 5 नवंबर 2024 को राष्ट्रपति चुनाव को देखते हुए दिवाली को बहुत महत्व है,लाखों मूल भारतीय वहां रहते हैं और दीपावली उनका सबसे बड़ा पर्व है इसलिए दीपावली का महत्व और भी बढ़ गया ह।संयुक्त राष्ट्र अमेरिका के पेनसिल्वेनिया प्रांत ने दिवाली पर्व के मौके पर ऑफिशियल छुट्टी घोषित करने वाला एक कानून पास किया है।इस विधेयक को पेनसिल्वेनिया सीनेट ने 50-0 से पास किया।बता दें कि पेनसिल्वेनिया में करीब 2 लाख साउथ एशियंस रहते हैं और उनके लिए रोशनी का उत्सव एक खुशी का मौका होता है।पिछले साल न्यूयॉर्क के मेयर एरिक एडम्स ने 2023 से न्यूयॉर्क सिटी में स्थित स्कूलों में दिवाली के दिन सार्वजनिक छुट्टी की घोषणा की थी। यहां ईद पर भी छुट्टी रहती है।बता दें कि दिवाली का त्योहार सिर्फ भारत के ही नहीं, बल्कि दुनियाभर में बसे हिंदू, सिख, बौद्ध और जैन लोग हंसी-खुशी के साथ मनाते हैं।भारत के अलावा भी कई देशों में दिवाली परआतिशबाजी की जाती है।मलेशियाःयहाँ सरकारी छुट्टियों वाली लिस्ट में दिवाली भी शामिल है. वहां इसे हरी दिवाली कहा जाता है, इस अवसर पर ऑयल बाथ का चलन है। मॉरिशियस में हिंदू आबादी को देखते हुए दिवाली पर सरकारी छुट्टी का प्रावधान है. इस द्वीप पर दीपावली के खास अवसर पर लैंप जलाए जाते हैं और घरों को भी सजाया जाता है।नेपालःयहाँ दिवाली को तिहार या स्वन्ति कहा जाता है. वहां इस पर्व को 5 दिनों तक मनाया जाता हैहालांकि वहां इसका राष्ट्रीय अवकाश नहीं होता है।नेपाल, यहाँ में दिवाली को तिहार या स्वन्ति कहा जाता है. वहां इस पर्व को 5 दिनों तक मनाया जाता है, हालांकि वहां इसका राष्ट्रीय अवकाश नहीं होता है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि पूरा विश्व दीपावली की रोशनी व दियों क़ी जगमगाहट से सराबोर होगा।पूरी दुनियाँ में बसे मूल भारतीय दियों की जगमगाहट व आतिशबाजी कर भारतमय में सराबोर होते हैं।दीपावली पर्व पर अमेरिका सिंगापुर मॉरीशस मलेशिया सहित अनेक देशों में सरकारी छुट्टी घोषित है,जो इसपर्व को भव्यता प्रदान करती है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023